वार्षिक प्रतिवेदन
2019-20

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
कृषि अनुसंधान भवन-I, पूसा, नई दिल्ली-110012

ISSN 2454-6666

वार्षिक प्रतिवेदन
2019-20

अप्रैल 1, 2019 से मार्च 31, 2020

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
कृषि अनुसंधान भवन 1, पूसा, नई दिल्ली 110 012

मुद्रण	:	2020
मुख्य संरक्षक	:	प्रो. (डॉ.) ए. के. मिश्रा अध्यक्ष
संरक्षक	:	प्रो. (डॉ.) ए. के. श्रीवास्तव सदस्य
		डॉ. पी. के. चक्रबर्ती सदस्य
		डॉ. के. के. सिंह सदस्य
		श्री विवेक अग्रवाल सचिव
संपादक	:	श्री जे. रवि निदेशक
		डॉ. सुरेश पाल मुख्य तकनीकी अधिकारी
सहायता	:	श्री खूबराम श्रीमती निकिता मौर्या

अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, कृषि अनुसंधान भवन 1, पूसा, नई दिल्ली 110012, दूरभाष संख्याः 011–25840251, 25848172, फैक्सः 011–25846311 द्वारा प्रकाशित व मैसर्स रॉयल ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए–89/1, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 1, नई दिल्ली 110028 के द्वारा लेजरटाइपसेट एवं मुद्रण।

प्रस्तावना

वर्ष 01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 की अवधि के लिए कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की इस वार्षिक रिपोर्ट को प्रस्तुत करना वास्तव में मेरा गौरवपूर्ण सौभाग्य है। इस रपोर्ट में मंडल की प्रमुख गतिविधियों और इस दौरान प्राप्त उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत है।

सदस्य (पीएसजी) और सदस्य (एनआरएम) द्वारा 16 अप्रैल, 2019 को मंडल में कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही, कृ.वै.च.मं. के पुनर्गठन की प्रक्रिया पूरी हो गई। हालांकि, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, सरकार के संलग्न कार्यालय के रूप में कृ.वै.च.मं. की स्थिति की पुष्टि 27.09.2019 की अधिसूचना द्वारा हो गई थी।

कृषि अनुसंधान सेवा (मुख्य) परीक्षा – 2017 (24 जून, 2018 को आयोजित) के लिए साक्षात्कार (मौखिक परीक्षा) 22 मई से 25 जून, 2019 के दौरान आयोजित किया गया था। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की कृषि अनुसंधान सेवा में नियुक्ति के लिए 29 विषयों के अंतर्गत कुल 181 उम्मीदवारों की सिफारिश की गई है।

मंडल की फ्लैगशिप राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा – 2019, का आयोजन 9 जनवरी, 2020 से 11 जनवरी, 2020 के दौरान 57 अनुमोदित विषयों में की गई थी। कुल 4,271 उम्मीदवार राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा प्रमाणपत्र पहले मुद्रित रूप में जारी किए जा रहे थे, अब मंडल ने नेट प्रमाणपत्रों के डिजिटलीकरण की पहल की है। तदनुसार, अब राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा – 2018 (II) से प्रमाण पत्र, भारत सरकार एमईआईटीवाई के डिजीलौकर ऐप के माध्यम से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

वर्ष के दौरान, 72 वैज्ञानिक प्रबंधन पदों को भरने के लिए सीधी भर्ती की लंबे समय से लंबित प्रक्रिया को प्रारम्भ किया गया। अनुसंधान एवं प्रबंधन पदों के चयन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया को लागू किया गया था तथा इसे और अधिक उद्देश्यपूर्ण और पारदर्शी बनाने के लिए मौजूदा स्कोर कार्ड में बदलाव किया गया। आठ राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक और भा.कृ.अनु.प. के उपमहानिदेशक सहित कुल 17 वरिष्ठ अनुसंधान प्रबंधन पदों को भरने के लिए संस्तुतियां की गई थीं। नौ अन्य पदों के लिए आवेदनों की जांच पूरी करने के बाद, कोविड–19 महामारी के कारण आगे का काम स्थगित कर दिया गया।

कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों के लिए कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के समयबद्ध कार्यान्वयन के एक भाग के रूप में, वरिष्ठ वैज्ञानिकों से प्रधान वैज्ञानिक के रूप में पदोन्नति के लिए 14 विषय क्षेत्रों के 21 प्रस्तावों पर कार्रवाई की गई।

कृ.वै.च.मं के लिए एक अलग इमारत के लंबे समय से लंबित मुद्दे को शुरू किया गया और इस भवन का शिलान्यास माननीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री द्वारा 4 नवंबर, 2019 को किया गया था।

माननीय श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री; केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, श्री परषोत्तम रूपाला जी और श्री कैलाश चौधरी जी की दूरदृष्टि, मार्गदर्शन, निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के लिए उनके प्रति आभारी हूं। मंडल के सभी प्रयासों में डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग और महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भा.कृ.अनु.प.); श्री सुशील कुमार, तत्कालीन अपर सचिव (डेयर) और सचिव, (भा.कृ.अनु.प.), श्री संजय सिंह, अपर सचिव (डेयर) और सचिव, भा.कृ.अनु.प. और श्री बिम्बाधर प्रधान, विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार (डेयर/भा.कृ.अनु.प.) के अपार समर्थन के लिए मंडल उनके प्रति आभार व्यक्त करता है।

उपरोक्त गतिविधियों को सफलतापूर्वक पूर्ण करने में मंडल में मेरे सहयोगी प्रोफेसर (डॉ.) ए. के. श्रीवास्तव, डॉ. पी. के. चक्रबर्ती, डॉ. के. के. सिंह, मंडल के पूर्व सचिव श्री अभिषेक सिंह, श्री विवेक अग्रवाल, श्री जे. रवि तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण के योगदान एवं समर्थन के लिए उनको हृदयपूर्वक धन्यवाद देता हूं।

अंततः इस रिपोर्ट को समय पर प्रकाशित करने में डॉ. एस. के. सिंह, निदेशक, कृषि ज्ञान प्रबंध निदेशालय (डी.के.एम.ए.), आई.सी.ए.आर. और श्री पुनीत भसीन, प्रभारी, उत्पादन एकक, डी.के.एम.ए. के सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं।

(ए. के. मिश्रा)
अध्यक्ष, कृ.वै.च.मंडल

विषय सूची

	प्रस्तावना	*iii*
	कार्यकारी सारांश	*vii*
1.	भूमिका	1
2.	राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)	6
3.	परीक्षाओं के माध्यम से नियुक्तियां	8
4.	सीधी भर्ती	10
5.	अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग और अन्य पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों की नियुक्तियां	12
6.	वैज्ञानिकों का मूल्यांकनः कैरियर एडवांसमेंट स्कीम	13
7.	सुधार	14
8.	सूचना का अधिकार अधिनियम–2005	15
9.	राजभाषा हिन्दी की प्रगति	17
10.	महिला सशक्तिकरण	21
11.	विविध	22
12.	सम्मान/पुरस्कार एवं मान्यता	23

परिशिष्ट

I.	वर्ष 2019–20 के दौरान कृ.वै.च.मं. की प्राप्तियां एवं व्यय	25
II.	पिछले पांच वर्षों में मंडल के कार्यभार का तुलनात्मक विवरण	26
III.	नेट 2019 में विषयवस्तुवार अर्हताप्राप्त उम्मीदवारों का विवरण	27
IV.	सीधी भर्ती 2019–20	29
V.	संस्थानों की सूची जिनमें वर्ष 2019–20 के दौरान कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार तकनीकी पदों के लिए विभागीय पदोन्नति समितियों का गठन	31
VI.	संस्थानों की सूची जिनमें वर्ष 2019–20 के दौरान कृ.वै.च.मं. द्वारा कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों के कैरियर एडवांसमेंट के लिए विभागीय पदोन्नति समितियों का गठन	33
VII.	वर्ष 2019–20 के दौरान मंडल में स्वीकृत पदों की संख्या	35
VIII.	कार्मिक (नियुक्तियां, पदोन्नतियां, स्थानांतरण, सेवानिवृतियां इत्यादि)	36
IX.	मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची (31.03.2020)	39

कार्यकारी सारांश

यह रिपोर्ट, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के उन कार्यक्रमों और गतिविधियों का एक विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करती है, जिन्हें मंडल द्वारा अपनी प्रतिभा खोज, मूल्यांकन और वैज्ञानिक कैडर से संबंधित नीति निर्माण के लिए आवश्यक इनपुट के संदर्भ में किया गया है।

इस वार्षिक रिपोर्ट 2019–20 की अवधि विशेष रूप से महत्वपूर्ण है चूंकि 16 अप्रैल, 2019 को सदस्य (पीएसजी) और सदस्य (एनआरएम) मंडल में शामिल होने के साथ ही, मंडल के पुनर्गठन की प्रक्रिया पूरी हो गई और मंडल को भारत सरकार की अधिसूचना 27.09.2019 के द्वारा कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के संलग्न कार्यालय के रूप में घोषित किया गया था।

इस अवधि के दौरान बोर्ड ने अनुसंधान प्रबंधन पदों के चयन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया, इसे और अधिक उद्देश्यपूर्ण और पारदर्शी बनाने के लिए मौजूदा स्कोर कार्ड में बदलाव किया और 72 अनुसंधान प्रबंधन पदों को विज्ञापित किया। इनमें से 17 वरिष्ठ पदों को भरा जा चुका है। 9 और पदों के लिए आवेदनों की स्क्रीनिंग पूरी होने के बाद, कोविड–19 महामारी और लॉकडाउन के कारण आगे का काम स्थागित किया गया था।

वर्ष के दौरान राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा–2019 का आयोजन 57 विषयवस्तु क्षेत्रों में 09 से 11 जनवरी, 2020 के दौरान देशभर के 31 केंद्रों में ऑनलाइन मोड में की गई थी। परीक्षा हेतु कुल 46,353 उम्मीदवारों ने पंजीकरण किया और वास्तविक रूप से 33,417 उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए थे। कुल 4271 उम्मीदवारों ने परीक्षा उत्तीर्ण की।

उत्तीर्ण उम्मीदवारों में सबसे कम प्रतिशत जलजीव पालन (0.44%) विषयवस्तु में था और उच्चतम प्रतिशत पशुशरीर रचना विज्ञान (60%) विषयवस्तु में था, इसके बाद का स्थान क्रमशः कुक्कुट पालन विज्ञान (52.73%), मत्स्य अनुवांशिकी एवं प्रजनन (50%), पशुचिकित्सा परजीवी विज्ञान (40.85%), भूमि और जल प्रबंधन अभियांत्रिकी (39.75%), पशुधन उत्पादन प्रबंधन (39.65%), मसाला रोपण तथा औषधीय व सुगंधीय पौधे (39.22%), फल विज्ञान (37.70%), मत्स्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी (37.64%) और बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी (33.17%) का रहा है। दस विषयों यानी कृषि जैव प्रौद्योगिकी, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन, कंप्यूटर अनुप्रयोग और आईटी, कृषि अर्थशास्त्र, कृषि विस्तार, पादप शरीरक्रिया विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी और आर्थिक वनस्पति विज्ञान और पादप अनुवांशिक संसाधन में सफलता दर 5% से भी कम था और तीन विषयों यानी पादप जैवरसायन शास्त्र, पर्यावरण विज्ञान और कृषि व्यापार प्रबंधन विषयवस्तु क्षेत्र से कोई भी उम्मीदवार उत्तीर्ण नहीं हुआ है। व्यापार और पारदर्शिता में सरलता के लिए, नेट परीक्षा–2018 (II) एवं आगे के प्रमाणपत्र, भारत सरकार के एमईआईटीवाई डिजीलौकर पर उपलब्ध कराए गए है।

24 जून, 2018 को आयोजित कृषि अनुसंधान सेवा (मुख्य) परीक्षा–2017 के परिणामों के आधार पर 22 मई, 2019 से 25 जून, 2019 तक आयोजित मौखिक साक्षात्कार के बाद भा.कृ.अनु.प. की कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) के वैज्ञानिकों (प्रवेश स्तर) के रूप में नियुक्ति हेतु 29 विषयवस्तु क्षेत्रों में कुल 181 उम्मीदवारों की सिफारिश की गई है।

इस अवधि के दौरान कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत प्रधान वैज्ञानिकों के रूप में नियुक्ति के लिए 14 विषयवस्तु क्षेत्र के 21 प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया था।

किसी भी संगठन के कार्यों में पारदर्शिता वास्तव में इसकी पहचान होती है। यह विशेष रूप से कृ.वै.च.मं. की तरह एक राष्ट्रीय स्तर की स्वतंत्र भर्ती निकाय पर लागू होता है। चाहे वह उम्मीदवारों के वर्क प्रोफाइल या साक्षात्कार या परीक्षा प्रक्रियाओं की स्क्रीनिंग हो या सलाहकारों/परीक्षार्थियों/पेपर सेटर/मूल्यांकनकर्ताओं आदि की सूची हो, बोर्ड के पास सभी स्तरों पर पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इसकी नियमित आंतरिक जांच और निष्पक्षता जॉच मौजूद है।

समग्र पारदर्शिता बनाए रखने के लिए, बोर्ड ने केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई सभी सूचनाओं के संबंध में एक अनुकरणीय और त्वरित रिकॉर्ड स्थापित किया है। चाहे वह आरटीआई मामलों/शिकायतों के संबंध में हो या विभिन्न अदालतों के समक्ष मंडल से जुड़े कानूनी मामलों में, ऐसा कोई अवसर नहीं था जिसमें बोर्ड के निर्णयों के संबंध में कोई सख्त या प्रतिकूल टिप्पणी, निष्कर्ष या अवलोकन किए गए हों।

इसी प्रकार, मंडल में इस अवधि के दौरान भारत की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में एक अनुकरणीय रिकॉर्ड स्थापित किया। राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने हेतु उम्मीदवारों को साक्षात्कारों के दौरान हिन्दी विकल्प सहित सभी संभव सहायता और सुविधाएं प्रदान की गईं। विशेषज्ञ/सलाहकार/पेपर सेटर/मूल्यांकनकर्ता सहित अधिकारियों और कर्मचारियों और अतिथियों की सुविधा के लिए मंडल के पुस्तकालय में हिंदी में विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित अधिकतम संख्या में पुस्तकों के रखरखाव के विशेष प्रयास किए गए हैं। इस अवधि

प्रो. (डॉ.) ए. के. मिश्रा, अध्यक्ष एवं सचिव, कृ.वै.च.मं., श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं पंचायती राज मंत्री, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, श्री परषोत्तम रूपाला एवं श्री कैलाश चौधरी को वार्षिक प्रतिवेदन 2018–19 प्रस्तुत करते हुए।

के दौरान नियमित रूप से ऑनलाइन इनपुट और नियमित डिजिटलीकरण के माध्यम से प्रत्येक विषयक्षेत्र के प्रश्न बैंक और सलाहकार/विशेषज्ञ डेटाबेस को अपडेट, अपस्केल और विस्तारित करने हेतु विशेष अभियान चलाए गए।

रिपोर्ट के अवधि के दौरान, परीक्षा/आवेदन शुल्क द्वारा कृ.वै.च.मं. का राजस्व वसूली 204.53 लाख थी और यह मंडल में कार्य की मात्रा का संकेत है, वह भी गंभीर नियमित श्रमशक्ति की कमी के दौरान। चूंकि मुख्य भर्ती से संबंधित कार्य, उनके महत्वपूर्ण जवाबदेही पहलुओं के कारण संविदात्मक कर्मचारियों पर नहीं छोड़े जा सकते, इसलिए कृ.वै.च.मं. में पर्याप्त नियमित श्रमशक्ति प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता है।

एक स्वतंत्र कार्यालय भवन का अभाव कुशल कार्य निष्पादन में एक बाधा है। इसे संबोधित किया गया है और अब पूसा परिसर में 4 नवंबर, 2019 को माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी द्वारा नए कार्यालय भवन का शिलान्यास किया गया। आशा है कि बोर्ड 2021 की दूसरी छमाही में अपने स्वयं के कार्यालय भवन में स्थानांतरित हो जाएगा।

01

भूमिका

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के लिए एक स्वतंत्र चयन निकाय था जिसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा 1973 में की गई थी। अगस्त 2018 से, कृ.वै.च.मं. को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) के एक अधीनस्थ कार्यालय के रूप में मान्यता दी गई है।

अपने अधिदेश के अनुसार कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल भा.कृ.अ.प. मुख्यालय तथा देशभर में मौजूद इसके अनुसंधान संस्थानों के लिए सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता वाले वैज्ञानिकों तथा अन्य प्रबंधन वैज्ञानिकों की भर्ती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अतिरिक्त मंडल कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों के लिए वृत्ति प्रगत योजनाओं सहित मानव संसाधन विकास से संबंधित नीतियों को विकसित करने व उन्हें लागू करने में परिषद को सहायता एवं परामर्श प्रदान करता है। लगभग 46 वर्ष से अधिक समय पूर्व के अपने स्थापना काल से कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली (एनएआरईएस) की उभरती हुई तथा विद्यमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिभा–खोज कार्यनीतियों को सुधारने तथा परिशोधित करने की दिशा में प्रयासरत है।

अधिदेश

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का अधिदेश भा.कृ.अनु.प. तथा देशभर में मौजूद इसके संस्थानों में विभिन्न पदों के लिए सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन उपलब्ध कराना है। मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार आरंभ में मंडल को निम्नलिखित उत्तरदायित्व सौंपे गए थे :

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) के विभिन्न पदों तथा समय–समय पर अध्यक्ष, भा.कृ.अ.प. द्वारा विशिष्टीकृत पदों एवं सेवाओं पर नियुक्ति करना।
- अध्यक्ष, भा.कृ.अ.प. द्वारा अपेक्षित पदोन्नतियों सहित कार्मिक मामलों में परिषद को सहायता प्रदान करना।
- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के माध्यम से भर्ती किए गए और मंडल के परामर्श से परिषद द्वारा नियुक्त कार्मिकों के अनुशासन संबंधित मामलों में परिषद को परामर्श देना।

उपरोक्त के परिणामस्वरूप एआरएस के अखिल भारतीय सेवा के रूप में सृजित होने के पश्चात् मंडल को निम्नलिखित उत्तरदायित्व और सौंपे गए :

- अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से कृषि अनुसंधान सेवा के वैज्ञानिकों की प्रवेश स्तर पर भर्ती करना।
- भा.कृ.अ.प. के विद्यमान वैज्ञानिकों को कृषि अनुसंधान सेवा के आरंभिक गठन के पश्चात् कृषि अनुसंधान सेवा में समावेशन करना।
- मेरिट प्रमोशन तथा कृषि अनुसंधान सेवा के अन्य वैज्ञानिकों को अग्रिम वेतनवृद्धि दिए जाने के लिए उनका मूल्यांकन करना।

इसके अतिरिक्त कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को अन्य तकनीकी सेवा संबंधी पदों और इसके साथ–साथ प्रशासनिक एवं लेखा प्रबंध संबंधी पदों जैसे प्रशासनिक अधिकारियों/वित्त एवं लेखा अधिकारियों, सहायक निदेशक (राजभाषा) की भर्ती का कार्य भी सौंपा गया है।

मंडल 57 अनुमोदित विषयों में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा सम्पन्न कराता है जिसे उत्तीर्ण करना राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू) में सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में आरंभिक नियुक्ति की पूर्व अपेक्षित अर्हता है।

संगठन

मंडल में अध्यक्ष तथा तीन सदस्य हैं जिन्हें संयुक्त सचिव स्तर के सचिव द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। अपने उत्तरदायित्वों का प्रभावी रूप से निर्वाह करने के लिए मंडल में एक परीक्षा नियंत्रक, पांच उप–सचिव/उपनिदेशक वित्त और इसके साथ–साथ वित्तीय, प्रशासनिक एवं तकनीकी कार्मिकों की सहायता भी उपलब्ध है।

पुनर्गठित कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का संगठनात्मक ढांचा

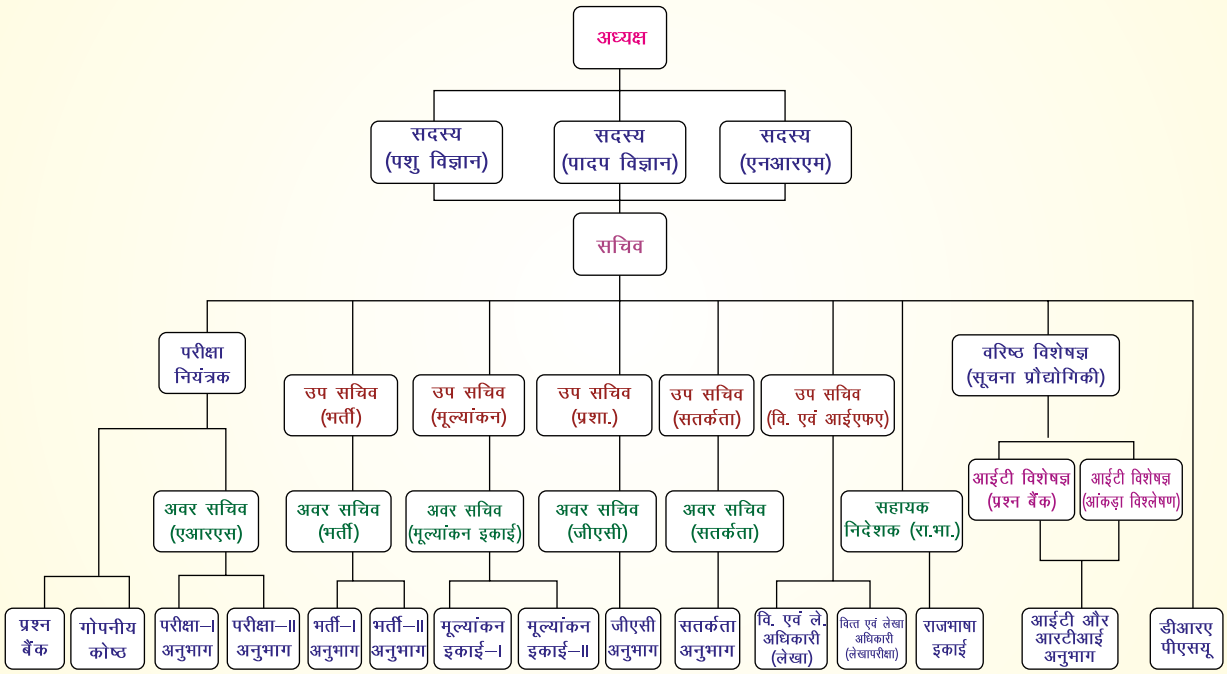

31 मार्च 2020 को मंडल के अधिकारियों तथा कार्मिकों की कुल स्वीकृत संख्या 84 थी (परिशिष्ट VII)। इस संख्या के होते हुए भी केवल 39 नियमित कर्मचारी तैनात थे। 01 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 की अवधि के दौरान अपने पदों पर तैनात मंडल के अधिकारियों तथा कार्मिकों की सूची परिशिष्ट–IX में दी गई है।

व्यय

01 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 की अवधि के दौरान मंडल द्वारा 1159.21 लाख रुपये की राशि व्यय की गई। विवरण परिशिष्ट–I में दिया गया है।

गतिविधियां

अधिदेशित कार्यों को सम्पन्न करने के लिए मंडल द्वारा अनेक गतिविधियां चलाई गई। इन गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा तथा पिछले पांच वर्षों के दौरान पूरी की गई गतिविधियों का विवरण परिशिष्ट–II में दिया गया है।

वर्ष 2019-20 के दौरान सम्पन्न गतिविधियों का सारांश

	गतिविधियां	संख्या
I.	**साक्षात्कार के माध्यम से नियुक्ति (सीधी भर्ती)**	
	◆ वे पद जिन पर भर्ती पिछले वर्षों से लंबित थी	50
	◆ वे पद जिनके लिए वर्तमान वर्ष के दौरान मांग प्राप्त हुई थी	72
	◆ भा.कृ.अ.प. द्वारा वापस लिए गए पद	50
	◆ विज्ञापित पदों की संख्या	72
	◆ वे पद जिन पर भर्ती का कार्य पूरा हो चुका है	17
	◆ विभिन्न पदों के लिए प्राप्त आवेदन	392
	◆ साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवार	162
	◆ वे उम्मीदवार जिनका साक्षात्कार लिया गया	144

	गतिविधियां	संख्या
	◆ नियुक्ति के लिए अनुशंसित उम्मीदवार	17
	◆ वे मामले जहां कोई भी उम्मीदवार नियुक्ति के योग्य नहीं पाया गया	0
	◆ वे मामले जिनमें कोई भी उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए उपस्थित नहीं था।	0
	◆ वर्ष के दौरान विज्ञापित विभिन्न पदों के लिए छांटे गए आवेदन	26
	◆ वे पद जिन पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है	09
II.	**परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति**	
(i)	**प्रवेश स्तर के वैज्ञानिकों के लिए आयोजित एआरएस परीक्षा–2017**	
	◆ वे उम्मीदवार जिनका साक्षात्कार लिया गया	657
	◆ नियुक्ति के लिए अनुशंसित उम्मीदवार	181
(ii)	**नेट प्रमाण पत्र के लिए आयोजित नेट परीक्षा–2019**	
	◆ नेट के लिए पंजीकृत आवेदकों की संख्या	46,353
	◆ नेट परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों की संख्या	33,417
	◆ नेट प्रमाण–पत्र के लिए उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या	4,271
III.	**मूल्यांकन तथा मूल्यांकन की समीक्षा**	
	मूल्यांकन	
	◆ संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत प्रधान वैज्ञानिक ग्रेड के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिकों का मूल्यांकन	21
	◆ कृषि अनुसंधान सेवा में समावेशन	1

महत्वपूर्ण कार्यक्रम

कृ.वै.च.मं. के नए भवन निर्माण का शिलान्यास

माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और पंचायती राज मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 4 नवंबर, 2019 को नई दिल्ली के पूसा परिसर में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल (कृ.वै.च.मं.) के नए कार्यालय भवन का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने उच्च क्षमता वाले वैज्ञानिक और तकनीकी कार्मिक प्रदान करने में कृ.वै.च.मं. की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की जिसने कृषि क्षेत्र की उत्पादकता और उत्पादन को कई गुना बढ़ा दिया और देश को खाद्य–सुरक्षित बनाने के साथ ही बड़े पैमाने पर कृषि उत्पादों के निर्यात में सक्षम बनाया।

शिलान्यास समारोह

समारोह का दीप प्रज्जवलित करते हुए माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण

माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि "नए पुनर्गठित कृ.वै.च.मं. से चयन, मूल्यांकन और कैरियर एडवांसमेंट स्कीम की पारदर्शी और सुव्यवस्थित प्रक्रिया के माध्यम से सक्षम, कुशल और योग्य कृषि वैज्ञानिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में एक बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद है।''

मंच पर मुख्य अतिथि माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री एवं अन्य महानुभाव

माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री का पुष्प गुच्छ से स्वागत

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री का सम्बोधन

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक भा.कृ.अनु.प. का सम्बोधन

प्रो. (डॉ.) ए. के. मिश्रा, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. का सम्बोधन

श्री विवेक अग्रवाल, सचिव, कृ.वै.च.मं. का सम्बोधन

स्वच्छता ही सेवा

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के समारोह को यादगार बनाने के लिए, देश ने ''स्वच्छ पखवाड़ा'', ''फिट इंडिया मूवमेंट'' और ''एकल उपयोग प्लास्टिक का कोई उपयोग नहीं'', ''स्वच्छता ही सेवा'' नामक अभियान, आदि जैसे कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला का आयोजन किया। इन समारोहों के अनुरूप, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने भी पूरे जोश के साथ इस समारोह को मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

इस वर्ष के दौरान कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा कृषि अनुसंधान भवन–1 में 11 सितम्बर 2019 से 27 अक्तूबर 2019 तक 'स्वच्छता ही सेवा' सप्ताह मनाया गया। सभी कर्मचारियों ने 'स्वच्छता' की शपथ ली। इसके पश्चात् 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के एक अंग के रूप में संविदा कार्मिकों सहित कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने कृषि

अनुसंधान भवन–1 के चारों ओर सफाई की। सभी अधिकारी/कर्मचारी स्वच्छता को अपनाते रहे हैं तथा पूरे वर्षभर कार्यालय परिसर में स्वच्छ तथा साफ वातावरण सुनिश्चित करते आ रहे हैं।

राष्ट्रीय एकता दिवस

राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती का स्मरोणत्सव है। वर्ष 2019 में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 144वीं जयंती मनाई गई। उन्होंने भारत के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे भारत के लौह पुरूष के रूप में भी प्रसिद्ध है और भारत गणराज्य का निर्माण करने वाले नेताओं में से एक हैं।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के स्मरोणत्सव के उपलक्ष में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने 31 अक्तूबर 2019 को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' शपथ ली।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुपालन में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में 28 अक्तूबर–02 नवम्बर 2019 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह अति उत्साह एवं सक्रिय भागीदारी के साथ आयोजित किया गया।

सप्ताह का आरंभ कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) ए. के. मिश्रा द्वारा कृ.वै.च.मं. के सभी कार्मिकों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाने के साथ हुआ।

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) 2019

वर्ष के दौरान भा.कृ.अनु.प. – राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) –2019 का आयोजन देशभर में फैले 31 परीक्षा केन्द्रों में कुल 57 विषयों में ऑन लाइन मोड में 9 जनवरी, 2020 से 11 जनवरी, 2020 तक की गई। नेट परीक्षा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू) तथा कृषि संकाय वाले अन्य सामान्य विश्वविद्यालयों में व्याख्याताओं/सहायक प्रोफेसर के पद पर भर्ती के लिए पात्रता निर्धारित करने की एक पूर्व अर्हता है। परीक्षा हेतु कुल 46,353 उम्मीदवार पंजीकृत हुए थे और वास्तविक तौर पर परीक्षा में 33,417 उम्मीदवार उपस्थित हुए। कुल 4271 (12.17%) उम्मीदवारों ने परीक्षा उत्तीर्ण की।

उत्तीर्ण उम्मीदवारों का न्यूनतम प्रतिशत (0.44%) जलजीव पालन विषय में था और परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों का सर्वोच्च प्रतिशत पशुचिकित्सा शरीर–रचना विज्ञान (60%) विषय में था जिसके पश्चात् क्रमशः कुक्कुट विज्ञान (52.73%), मत्स्य आनुवंशिकी एवं प्रजनन (50%), पशु चिकित्सा परजीवी विज्ञान (40.85%), भूमि एवं जल प्रबंधन अभियांत्रिकी (39.75%), पशुधन उत्पादन प्रबंधन (39.65%), मसाला, रोपण और औषधीय एवं सुगंधीय पादप (39.22%), फल विज्ञान (37.70%), मत्स्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी (37.64%) तथा बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (33.17%) का स्थान था। दस विषयों, नामतः कृषि जैवप्रौद्योगिकी, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, कम्प्यूटर एप्लिकेशन एवं आईटी, कृषि आर्थिकी, कृषि विस्तार, पादप शरीर क्रिया विज्ञान, जैवसूचना विज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी और आर्थिक वनस्पति एवं पादप आनुवंशिक संसाधन में सफलता की दर 5% से कम थी और तीन विषयों, नामतः पादप जैवरसायनिकी, पर्यावरण विज्ञान और कृषि व्यापार प्रबंधन में कोई उम्मीदवार उत्तीर्ण नहीं हुआ।

आंकड़ों के विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ है कि परीक्षा में 4271 उत्तीर्ण उम्मीदवारों में से 1068 (25%) उम्मीदवार शीर्ष दस राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (तमिल नाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयमबटूर; इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर; कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर; चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार; उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर; केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिचूर; बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, नाडिया; नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी और कृषि एवं बागवानी विश्वविद्यालय, बागलकोट) से हैं और 1723 (41%) उम्मीदवार अन्य राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से, 999 (23%) उम्मीदवार कृषि संकाय वाले सामान्य विश्वविद्यालयों से, 376 (9%) उम्मीदवार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के मानद विश्वविद्यालयों (भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल, भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान और केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुम्बई) तथा 105 (2%) उम्मीदवार केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालयों से हैं।

भा.कृ.अनु.प. राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा–2019 का विवरण

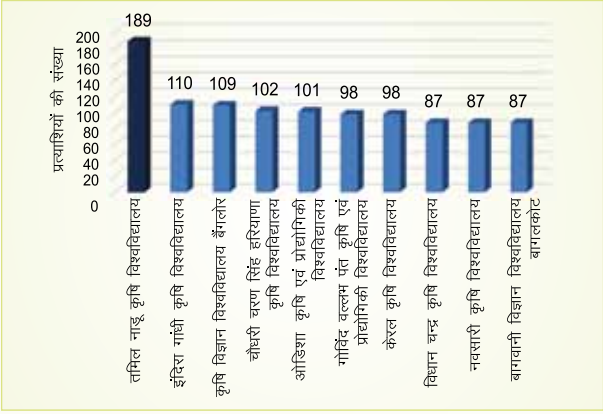

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा–2019 में शीर्ष दस राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के सफल उम्मीदवारों का विवरण

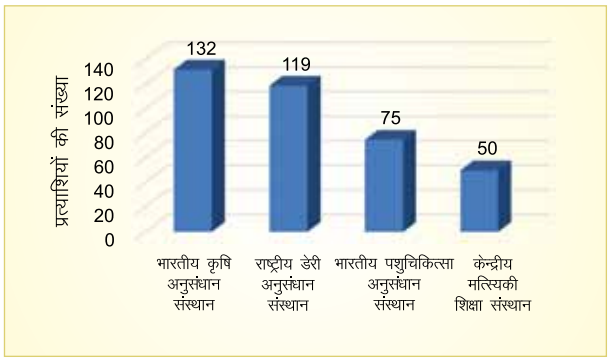

नेट परीक्षा–2019 में भा.कृ.अनु.प.–मानद विश्वविद्यालयों का निष्पादन

परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 4271 उम्मीदवारों में से लगभग 67% सफल उम्मीदवार दस राज्यों (कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, केरल, गुजरात, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और ओडिशा) से थे।

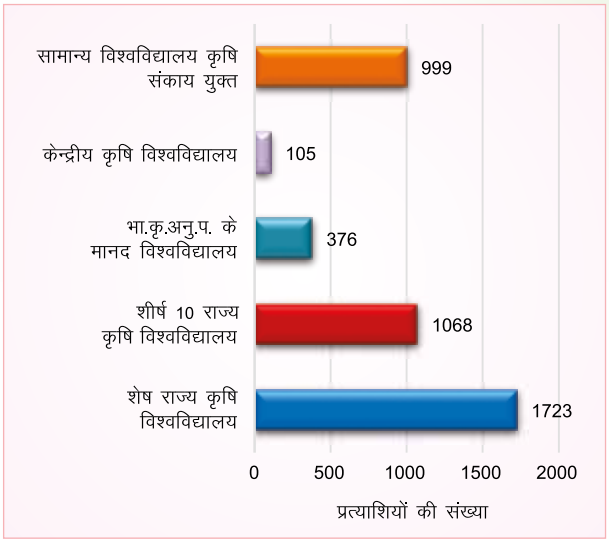

उम्मीदवारों का संगठनवार प्रदर्शन

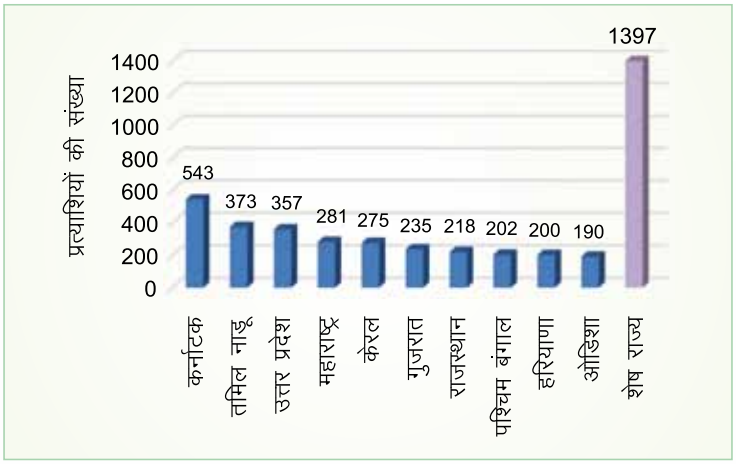

नेट परीक्षा–2019 में राज्यवार प्रदर्शन

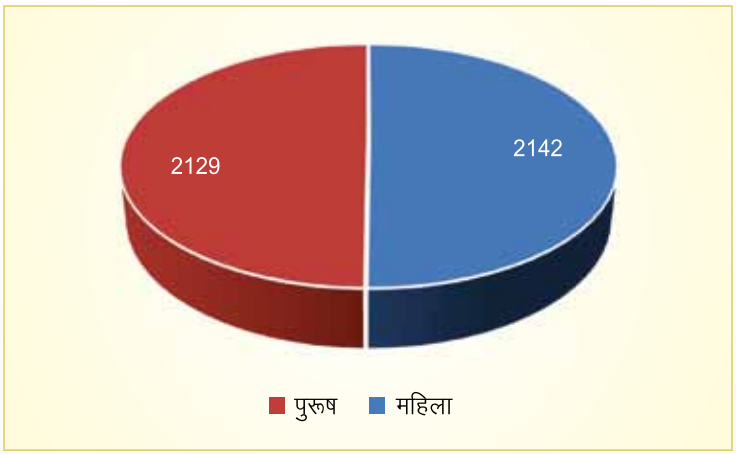

नेट परीक्षा 2019 में सफल प्रत्याशियों का लिंगवार विवरण

03 परीक्षा के माध्यम से नियुक्तियां

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा (एआरएस)

मंडल द्वारा 24 जून, 2018 को आयोजित कृषि अनुसंधान सेवा (मुख्य) परीक्षा–2017 और उसके बाद 22 मई, 2019 से 25 जून, 2019 तक आयोजित साक्षात्कार के परिणामों के आधार पर 29 विषयों में कुल 181 उम्मीदवारों की भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत प्रवेश स्तर के वैज्ञानिक पद पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा की गई है।

आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि 181 अनुशंसित उम्मीदवारों में से 46 उम्मीदवार दस राज्य विश्वविद्यालयों (गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर; कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैगलुरु; कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़; तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयमबटूर; आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद; कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर; चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार; पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना; महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर; असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट) से; 23 उम्मीदवार शेष राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से, 81 उम्मीदवार भा.कृ.अनु.प. के चार मानद विश्वविद्यालयों, अर्थात भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (58); केन्द्रिय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई (04); भारतीय पुश चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर (08); राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल (11) और 31 उम्मीदवार कृषि संकाय युक्त सामान्य विश्वविद्यालयों से थे।

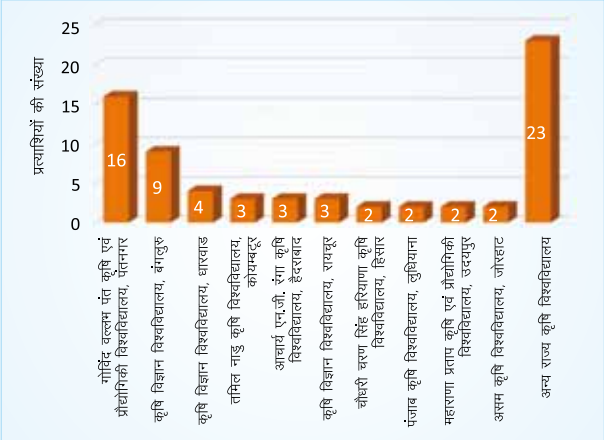

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ दस कृषि विश्वविद्यालयों का प्रदर्शन

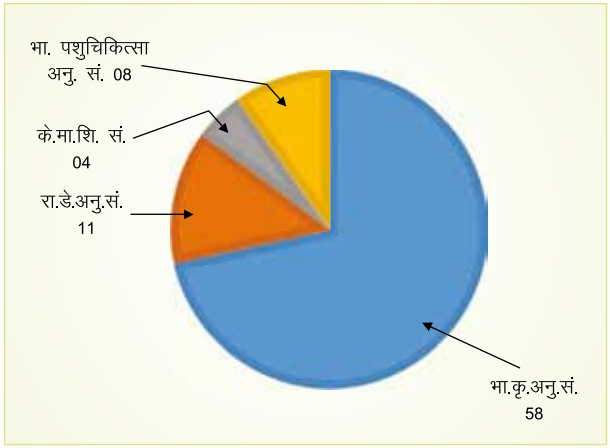

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा में भा.कृ.अनु.प के मानद विश्वविद्यालयों का प्रदर्शन

कृषि अनुसंधान सेवा के साक्षात्कार का दृश्य

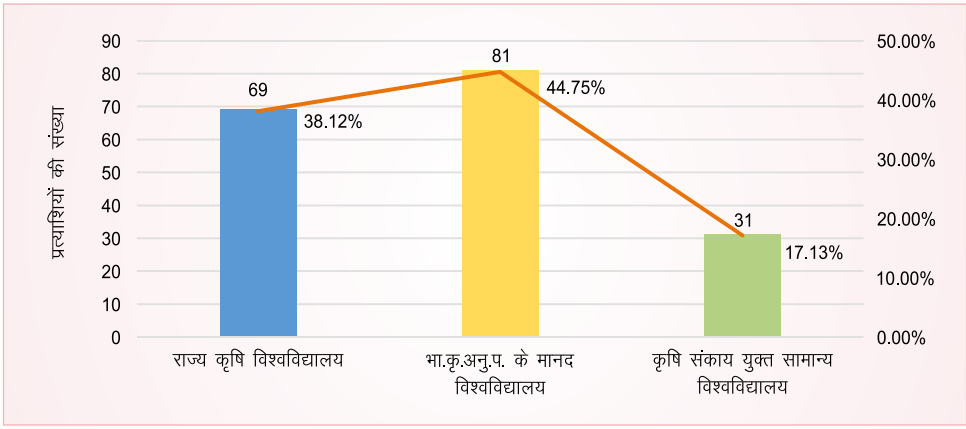

कृषि अनुसंधान सेवा में संगठनवार विवरण

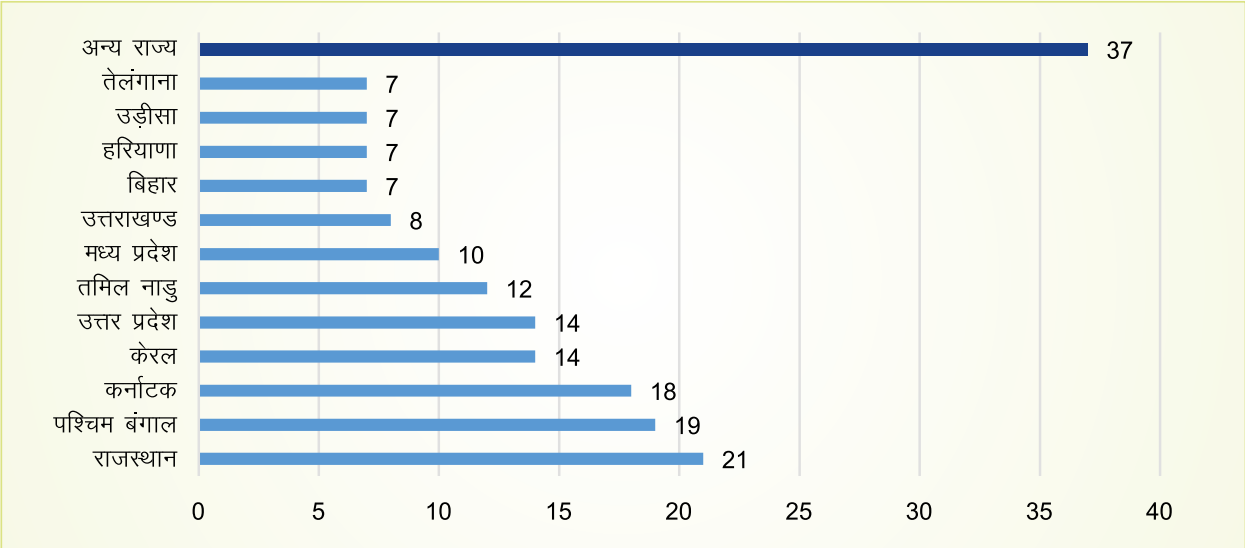

कृषि अनुसंधान सेवा में सफल प्रत्याशियों का राज्यवार विवरण

181 अनुशंसित उम्मीदवारों में से लगभग 79.56 प्रतिशत सफल उम्मीदवार दस राज्यों (राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा, उड़ीसा और तेलंगाना) से थे। कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा में चयनित 181 उम्मीदवारों में से 43 प्रतिशत महिला उम्मीदवार थीं।

सीधी भर्ती

सीधी भर्ती/पार्श्व प्रवेश

रिपोर्ट अवधि के दौरान मंडल द्वारा 72 पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन दिया गया। इनमें तीन उपमहानिदेशक, पांच राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक, दस सहायक महानिदेशक, चालीस निदेशक, ग्यारह राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक तथा तीन परियोजना निदेशकों के पद शामिल थे। वर्ष 2019–20 के दौरान विज्ञापित विभिन्न वैज्ञानिक पदों का पदवार विवरण नीचे दिया गया है

मंडल ने 17 पदों (परिशिष्ट IV) की भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली है जिसमें तीन उपमहानिदेशक, पांच राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक, पांच सहायक महानिदेशक और शेष अन्य भा.कृ.अनु.प. संस्थानों के निदेशक शामिल हैं।

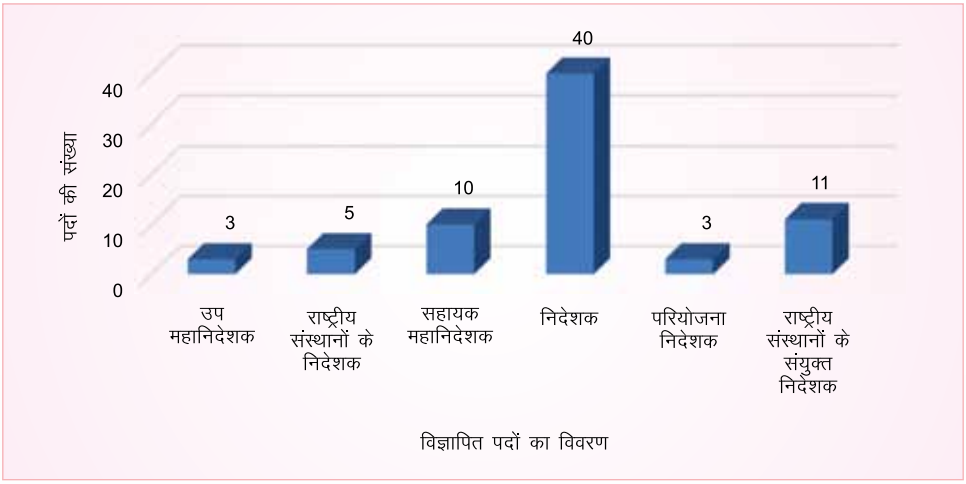

इस अवधि के दौरान पूर्ण की गई सीधी भर्ती प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण

पद	पदों की संख्या	आवेदित उम्मीदवार	बुलाए गए उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	सिफारिश किए गए उम्मीदवार	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं
उप महानिदेशक	3	78	30	28	3	0
राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक	5	122	47	43	5	0
सहायक महानिदेशक	5	99	46	36	5	0
भा.कृ.अनु.प. के अन्य संस्थानों के निदेशक	4	93	39	37	4	0
कुल	**17**	**392**	**162**	**144**	**17**	**0**

साक्षात्कार के दृश्य

मंडल ने कुल मिलाकर, तीन सौ बयानवे आवेदनों की जांच की और साक्षात्कार के लिए 162 उम्मीदवारों को आमंत्रित किया। कुल 144 उम्मीदवारों ने साक्षात्कार हेतु उपस्थिति दर्ज की। बोर्ड प्रत्येक पद के लिए प्रथम दस रैंकिंग उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेता है। लेकिन इस वर्ष के दौरान औसतन प्रत्येक पद के लिए 8.47 उम्मीदवार थे। अनुसंधान प्रबंधन पदों के 9 पदों के लिए 203 आवेदनों की स्क्रीनिंग पूरी हो गई थी, कोविड–19 महामारी और बाद में पूर्ण लॉकडाउन के कारण प्रक्रिया को पहले ही स्थगित कर दिया गया था।

05

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछडें वर्ग व दिव्यांग उम्मीदवारों की श्रेणी के अंतर्गत आने वाले प्रत्याशियों की नियुक्ति

परीक्षा द्वारा नियुक्ति

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग व्यक्तियों तथा अन्य पिछड़ें वर्ग के अंतर्गत आने वाले प्रत्याशियों को भा.कृ.अ.प./भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार भर्ती के लिए अनुशंसित किया गया। इन विशेष श्रेणियों के अंतर्गत चुने गए प्रत्याशियों तथा प्रत्येक श्रेणी के लिए मौजूद रिक्तियों की संख्या का विवरण निम्नलिखित है :

एआरएस परीक्षा–2017 के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग एवं अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु आरक्षित पदों का वर्गवार वितरण

श्रेणी	विज्ञापित पद	वास्तव में भरे गए	टिप्पणी
अनुसूचित जाति	23	22	योग्य प्रत्याशी उपलब्ध न होने के कारण
अनुसूचित जनजाति	21	16	
दिव्यांग	10	1	
अन्य पिछड़ा वर्ग	48	42	
कुल	**92**	**80**	

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग व्यक्तियों तथा अन्य पिछड़े वर्ग की श्रेणी के लिए उपलब्ध 92 रिक्तियों में से केवल 12 पद उचित व योग्य उम्मीदवार उपलब्ध न होने के कारण नहीं भरे जा सके।

06

वैज्ञानिकों का मूल्यांकनः कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस)

इस वर्ष के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थानों से संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिकों को प्रधान वैज्ञानिक ग्रेड पर पदोन्नति के लिए 14 विषयक्षेत्रों में केवल 21 प्रस्ताव प्राप्त हुए। इसके लिए 20 दिसंबर, 2019 से 27 दिसम्बर 2019 तक साक्षात्कार लिए गए। मंडल की अनुशंसाएं परिषद को भेजी जा चुकी हैं।

मूल्यांकन प्रस्तावों का विवरण

क्र.सं.	विषय क्षेत्रों का नाम	साक्षात्कार दिनांक	साक्षात्कार लिए गए उम्मीदवार
1.	जैव रसायन विज्ञान (एएस)	20.12.2019	01
2.	गृह विज्ञान विस्तार	20.12.2019	01
3.	कृषि सूक्ष्मजैविकी	20.12.2019	03
4.	मृदा विज्ञान भूतत्व	23.12.2019	01
5.	पर्यावरण विज्ञान	23.12.2019	02
6.	आनुवंशिक एवं पादप प्रजनन	23.12.2019	01
7.	बीज प्रौद्योगिकी	23.12.2019	01
8.	भूगोल	24.12.2019	01
9.	पशुधन उत्पादन प्रबंधन	24.12.2019	03
10.	कृषि संरचना एवं प्रक्रिया अभियांत्रिकी	26.12.2019	02
11.	कृषि प्रसंस्करण अभियांत्रिकी	26.12.2019	01
12.	पशु पुनरूत्थान एंव मादा रोग विज्ञान	27.12.2019	02
13.	मत्स्य प्रसंस्करण तकनीकी	27.12.2019	01
14.	मात्स्यिकी संसाधन प्रबंधन	27.12.2019	01
	कुल		**21**

सुधार

डिजिटलीकरण

पहले मुद्रित रूप में जारी किए गए नेट प्रमाणपत्रों की आसान पुनर्प्राप्ति के लिए मंडल ने नेट परीक्षा 2018 (II) के नेट प्रमाणपत्रों के डिजिटलीकरण की पहल की है। अब, नेट परीक्षा 2018 से नेट प्रमाण पत्र, भारत सरकार के एमईआईटीवाई के डिजीलोकर (डीआईजीआईएलओसीकेईआर) ऐप के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकता है।

ऑनलाइन परीक्षाएं

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल धीरे–धीरे प्रगति करते हुए पारंपरिक कागज–कलम वाली परीक्षा से कम्प्यूटर आधारित ऑनलाइन परीक्षा की ओर अग्रसर हो गया है। वर्ष के दौरान मंडल ने एक राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा–2019 का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। इस परीक्षा हेतु कुल 46,353 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था।

स्क्रीनिंग एवं साक्षात्कार

अब कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए डिजिटल मोड पर पार्श्व प्रवेश/सीधे साक्षात्कार और वैज्ञानिकों के मूल्यांकन की स्क्रीनिंग और साक्षात्कार आयोजित करने की योजना बना रहा है।

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल से (नेट) 2018–I I एवं आगे के प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए प्रक्रिया प्रवाह

चरण 1
- गूगल ऐप स्टोर से डिजी लॉकर ऐप डाउनलोड करें

चरण 2
- अपना मोबाइल नंबर और ओटीपी साइन अप के लिए दें और यदि मौजूदा उपयोगकर्त्ता हैं, कृपया साइन इन करें

चरण 3
- जारी किए गए दस्तावेज़ अनुभाग को सक्षम करने के लिए अपने आधार नंबर पंजीकृत मोबाइल नंबर से ओ टी पी दें

08

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 तथा केन्द्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) का कार्यान्वयन

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005

भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल परीक्षाओं, नियुक्तियों, मूल्यांकन और चयन प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बनाए रखने और सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के पूरी तरह से कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। आरटीआई अधिनियम 2005 की धारा 4 के अनुसार, नियुक्तियों और मूल्यांकन से संबंधित सभी अद्यतन सूचना कृ.वै.च.मं. की वेबसाइट (www.asrb.org.in) पर समय–समय पर उपलब्ध कराई जाती है।

प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मंडल ने सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित समय के अंतर्गत सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न अनुरोधों और अपीलों के प्रति संतोषजनक रूप से कार्रवाई की है। तद्नुसार मंडल ने उत्तरदायित्वपूर्ण 'जन प्राधिकरण' के रूप में इस संबंध में उचित कार्रवाई की है। मंडल ने दो केन्द्रीय जन सूचना अधिकारी तथा एक अपीलीय प्राधिकारी नियुक्त किया है ताकि सूचना प्राप्त करने वालों से प्राप्त होने वाले अनुरोधों पर क्रमबद्ध रूप से कार्रवाई की जा सके।

रिपोर्ट अवधि के दौरान मंडल में 224 मामले प्राप्त हुए जिनमें से मुख्यतः निम्नलिखित विषयों से संबंधित मामले हैं :

- विशेषज्ञों के नाम का खुलासा करने।
- छंटाई तथा साक्षात्कारों में प्राप्त किए गए अंक।
- सीधी भर्ती वाले पदों के लिए आवेदनों की छंटाई करने की क्रियाविधि।
- मूल्यांकन समिति द्वारा दिए गए अंक।
- विभिन्न परीक्षाओं में अन्य आवेदकों द्वारा प्राप्त किए गए अंक।
- उत्तर–पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया।
- परीक्षाओं के उत्तरों की कुंजी।
- उत्तर पुस्तिकाओं, ओएमआर शीट तथा प्रश्न–पत्रों की फोटोकॉपी।
- मंडल के पूर्व सक्रिय आदेशों/निर्णयों, सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 4 का मंडल में कार्यान्वयन करने।
- आउटसोर्स कार्यबल का विवरण प्राप्त करना।

कुल 224 मामलों में से सत्ताइस आवेदकों ने प्रथम अपील किए हैं। इन सभी मामलों को भी संबंधित व्यक्तियों की पूर्ण संतुष्टी से सफलतापूर्वक निपटाए गए तथा मंडल द्वारा उत्तर दे दिए गए। इनका सम्पूर्ण विवरण नीचे दिया गया है :

वर्ष 2019-20 के दौरान सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के अंतर्गत निपटाए गए मामलों का संक्षिप्त विवरण

खण्ड–I. (अनुरोध तथा अपीलों के बारे में विवरण)

	1.04.2019 को आदि शेष निर्णय	अन्य पीएएस से स्थानांतरित होकर आए मामले	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुरोध (अन्य पीएएस को भेजे गए पत्रों सहित)	अन्य पीएएस यू/एस 6(3) के अंतर्गत हस्तांतरित मामलों की संख्या	निर्णय जहां अनुरोध/अपील को अस्वीकार किया गया	निर्णय जहां अनुरोध/अपील स्वीकार किया गया
अनुरोध	14	32	178	6	6	212
प्रथम अपील	0	लागू नहीं	27	लागू नहीं	3	24
		पदनामित सीएपीआईओ की कुल संख्या		पदनामित सीपीआईओ की कुल संख्या		पदनामित अपीलीय प्राधिकारियों की कुल संख्या
		–		2		1

खण्ड–II. (एकत्रित शुल्क, लगायी गई जुर्माना राशि तथा की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई)

एकत्र किया गया पंजीकरण शुल्क (रु.) धारा 7(1) के अंतर्गत	धारा 7(3) के अंतर्गत एकत्र किया गया अतिरिक्त शुल्क (रु.)	धारा 20(1) के अंतर्गत केन्द्रीय सूचना आयोग के निर्देशों के अनुसार वसूल की गई दंड राषि (रूपयों में)	धारा 20(2) के अंतर्गत अधिकारियों के विरुद्ध की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के मामलों की संख्या
1040/–	20/–	0	0

खण्ड–III. (धारा 8 के विभिन्न प्रावधानों के तहत मांगी गई सूचना देने से इन्कार करने संबंधी विवरण)

मंगी गई सूचना देने से मना करने के दौरान कितनी बार सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के विभिन्न प्रावधानों का सहारा लिया गया उसका विवरण													
धारा 8(1)											अन्य धाराएं		
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)	(एच)	(आई)	(जे)	(9)	(11)	(24)	अन्य
–	–	–	–	3	–	–	–	–	8	–	–	.	3

केन्द्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस)

इस अवधि के दौरान मंडल में 66 शिकायतें प्राप्त हुई, मुख्यतः परीक्षाओं के माध्यम से तकनीशियन (टी–1), तकनीकी सहायक (टी–3), आशुलिपिक ग्रेड–III, अवर श्रेणी लिपिक 2017, भर्ती के लिए सामान्य सूचना, सहायक परीक्षा–2014, नेट परीक्षाएं, एआरएस 2017 तथा वैज्ञानिकों के मूल्यांकन जैसे विभिन्न मुद्दों से संबंधित थीं। विभिन्न अनुरोधों पर मंडल ने कुशलतापूर्वक एवं संतोषजनक ढंग से कार्रवाई की है।

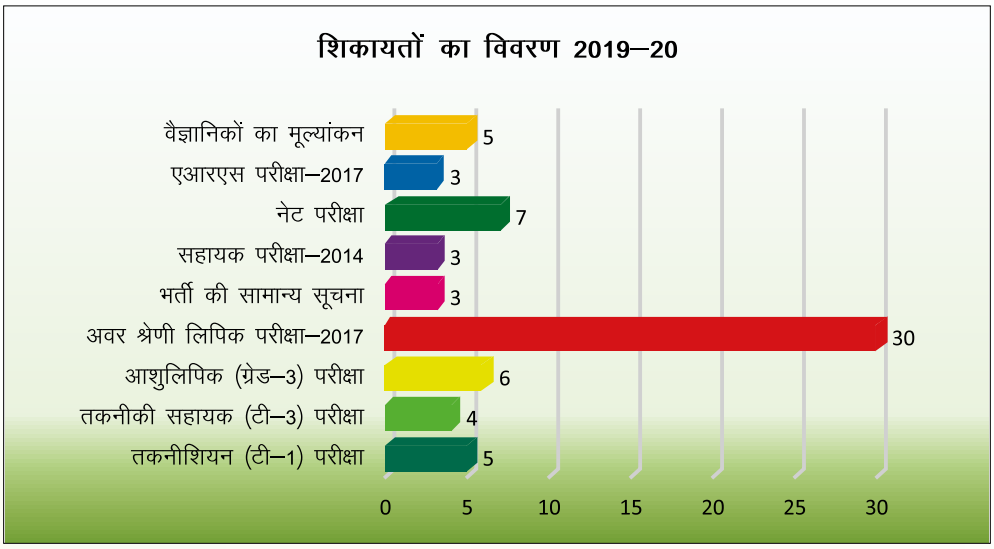

09

हिंदी (राजभाषा) की प्रगति

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल अपने कार्यालय में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम 2019–20 में निर्धारित लक्ष्यों का पूरा करने के लिए हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के प्रति प्रतिबद्ध है। परिपत्रों, रिपोर्टों, प्रश्न पत्र तथा अन्य दस्तावेजों की द्विभाषी आवश्यकता को सुनिश्चित करने हेतु अधिनियम तथा नियमों के प्रावधानों का मंडल में पूर्ण निष्ठा से अनुपालन किया जाता है।

- मंडल में लगभग 98 प्रतिशत अधिकारियों एवं 100 प्रतिशत कार्मिकों को हिंदी में प्रवीणता/कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।
- कर्मचारियों को सहायक साहित्यिक सामग्री, जैसे कृषि शब्दावली, मानक पत्रों/मसौदों के हिंदी नमूने, सामान्य वाक्यांशों का हिन्दी समानार्थ वाक्य आदि भी उपलब्ध कराए गए हैं।
- परीक्षा नियमों, नोटिस, पाठ्यक्रम, उम्मीदवारों के लिए अनुदेश, प्रवेश प्रमाण–पत्र, टेस्ट बुकलेट, उत्तर पुस्तिका, प्रश्न–पत्र, आवेदन प्रपत्र, उपस्थिति सूची आदि का मुद्रण अंग्रेजी संस्करण के साथ–साथ हिंदी संस्करण में भी किया जाता है।
- इस अवधि के दौरान मंडल द्वारा जारी किए गए विज्ञापन 'रोजगार समाचार' सहित देश के अग्रणी समाचार–पत्रों में हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार करके प्रकाशित किए गए।
- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल कार्यालय के सभी कम्प्यूटर कीबोर्ड देवनागरी में लिखे गए वर्णों के साथ उपलब्ध कराए गए हैं।
- प्रश्न कर्ताओं/अनुवादकों की सुविधा के लिए कृषि शिक्षा /अनुसंधान में प्रयोग होने वाले महत्वपूर्ण तकनीकी शब्दों के लिए अंग्रेजी–हिन्दी शब्दकोश तैयार किए गए हैं।
- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल यह सुनिश्चित करता है कि उम्मीदवारों को प्रतियोगी परीक्षाओं तथा साक्षात्कारों में प्रश्नों के उत्तर हिंदी में देने हेतु हिंदी माध्यम को चुनने का विकल्प उपलब्ध हो।
- मंडल की वेबसाइट ww.asrb.org.in द्विभाषी (अंग्रेजी एवं हिन्दी) रूप में है।
- रिपोर्ट अवधि के दौरान मंडल ने परीक्षा सामग्री का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद करने में 2,31,900/–रु. व्यय किए।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकें

इस वर्ष के दौरान मंडल नें जून, सितम्बर, दिसम्बर–2019 तथा मार्च 2020 में चार तिमाही राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन किया। इन बैठकों में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई तथा महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

दिनांक 31 मार्च 2020 को समाप्त तिमाही के लिए कृ.वै.च.मं. की राजभाषा तिमाही प्रगति रिपोर्ट से ज्ञात होता है कि :

- धारा 3(3) के अंतर्गत राजभाषा कार्यान्वयन 100% है। इसी प्रकार, कृ.वै.च.मं. द्वारा 'क' एवं 'ख' क्षेत्र को भेजे गए उत्तर भी 100% हिंदी में हैं।
- हिंदी पत्राचार की स्थिति 'क' क्षेत्र के साथ 96.28%ए 'ख' क्षेत्र के साथ 100% तथा 'ग' क्षेत्र के साथ 93.98% था जबकि 'ग' क्षेत्र के लिए हिन्दी में पत्राचार का लक्ष्य 65% है।
- हिंदी में टिप्पण का समग्र निष्पादन 93.98% था जो निर्धारित लक्ष्य 75% से कहीं अधिक है।
- 31 दिसंबर, 2019 को समाप्त तिमाही की कृ.वै.च.मं. की तिमाही रिपोर्ट के आधार पर, सहायक निदेशक (राजभाषा), डेयर ने अपने पत्र संख्या 413–5/2018–हिंदी/13 दिनांक 28 जनवरी, 2020 द्वारा सूचित किया है कि अन्य कार्यालयों की तुलना में कृ.वै.च.मं. की राजभाषा प्रगति अनुकरणीय है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक का एक दृश्य

हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन

वर्ष के दौरान कृ.वै.च.मं. द्वारा 11 सितंबर, 2019 से 24 सितम्बर 2019 तक 'राजभाषा हिंदी पखवाड़ा' मनाया गया। हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन 11 सितंबर 2019 को हुआ। इस अवसर पर संविदा कार्मिकों सहित मंडल के सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. ने अपने औपचारिक संबोधन में कहा कि हमें सभी भाषाओं का ज्ञान होना चाहिए, लेकिन अपनी राजभाषा को नहीं भूलना चाहिए।

हिंदी पखवाड़ा के दौरान हिंदी के प्रयोग संबंधी विभिन्न पहलुओं पर निम्न पांच प्रतियोगिताएं, अर्थात, निबंध लेखन, शब्द परिचय, काव्य पाठ, चित्र आधारित लघु कथालेखन और टिप्पण प्रतियोगिता आयोजित की गईं जिनमें 56 स्थायी एवं 45 संविदा कार्मिकों ने भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं का विवरण निम्नानुसार है :

प्रतियोगिताओं का विवरण

प्रतियोगिताएं	तिथियां
निबंध लेखन	11.09.2019
शब्द परिचय	16.09.2019
काव्य पाठ	18.09.2019
चित्र आधारित लघु कथा लेखन	19.09.2019
टिप्पण लेखन	20.09.2019

समापन समारोह दिनांक 24 सितंबर, 2019 को आयोजित किया गया था। इस अवसर पर डॉ. के. वी. प्रभु, अध्यक्ष, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण और अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कार्मिकों से जटिल वाक्यों के प्रयोग से बचने और सरल हिंदी शब्दों को लिखने की सलाह दी ताकि हिंदी में टिप्पण/पत्र लेखन की कठिनाई को दूर किया जा सके। अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने मंडल में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की प्रगति की सराहना की। मुख्य अतिथि और अध्यक्ष ने विभिन्न कार्यक्रमों के विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण–पत्र वितरित किए।

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को उत्कृष्ट निष्पादन पुरस्कार

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को राजभाषा विभाग, उत्तरी क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय–1, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने पत्र संख्या क्षे.रा.पु./2018/उक्षेकाका–1(दि)/दिनांक 20.01.2020 के माध्यम से वर्ष 2018–19 के लिए राजभाषा प्रगति तथा कार्यान्वयन एवं हिंदी कार्य के उत्कृष्ट निष्पादन हेतु (11 से 50 कर्मचारियों के वर्ग में) प्रथम पुरस्कार हेतु नामित किया गया।

हिंदी पखवाड़ा 2019 की झलकियां

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह में डॉ. के. वि. प्रभु का स्वागत

डॉ. के. वि. प्रभु, अध्यक्ष, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण और अध्यक्ष, नराकास (उत्तरी दिल्ली) का सम्बोधन

डॉ. सुरेश पाल, प्रभारी (राजभाषा) का सम्बोधन

हिन्दी पखवाड़ा समारोह का दृष्य

हिन्दी पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण

राजभाषा सम्मेलन

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने दिनांक 04 सितंबर, 2019 को कृषि अनुसंधान भवन, नई दिल्ली में मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए ''राजभाषा कार्यान्वयनः दैनिक कामकाज में कार्मिकों के लिए ध्यान देने योग्य बातें'' विषय पर राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में कृषि चयन मंडल के सभी सदस्य, अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यशाला में कुल दो सत्र आयोजित किए गए। अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. ने हिंदी की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और सभी से आग्रह किया कि वे इसे कार्यालय के काम में नियमित रूप से उपयोग करें। इस अवसर पर डॉ. विचार दास, पूर्व निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली और श्री अशोक कुमार, सहायक निदेशक (रा.भा.), कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सीईपीटीएएम)–डीआरडीओ, नई दिल्ली द्वारा व्याख्यान दिए गए। डॉ. सुरेश पाल, मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं प्रभारी राजभाषा ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

डॉ. विचार दास, पूर्व निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली का संबोधन

श्री अशोक कुमार, सहायक निदेशक (राजभाषा), कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केन्द्र (सेप्टेम), डीआरडीओ, नई दिल्ली का संबोधन

महिला सशक्तिकरण

इस वर्ष के दौरान मंडल ने नेट परीक्षा–2019 और कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस)–2017 के उत्तीर्ण उम्मीदवारों के साक्षात्कार का आयोजन किया। उत्तीर्ण/चयनित महिला उम्मीदवारों का विवरण निम्नानुसार है :

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)

नेट परीक्षा, शिक्षण संस्थानों/राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर/लैक्चरर के पदों पर आवेदन करने की योग्यता के लिए उम्मीदवारों को प्रमाण–पत्र प्रदान करने हेतु एक पात्रता परीक्षा है। पिछले सात वर्षों के आंकड़ों से यह पता चलता है कि नेट परीक्षा में योग्य महिला उम्मीदवारों का प्रतिशत 2013–14 के 32% से बढ़कर 2019–20 में 50.15 प्रतिशत हो गया है।

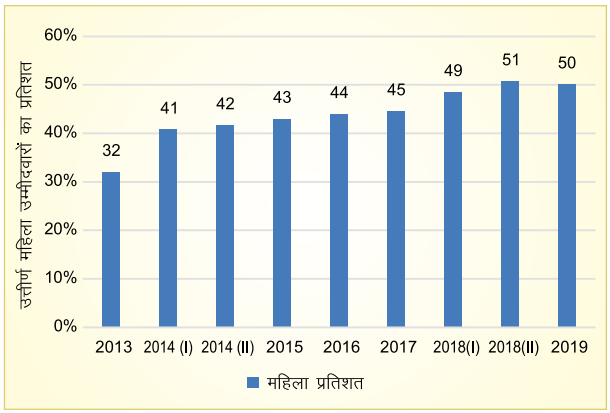

नेट परीक्षाओं (2013–14–2019–20) में महिला उम्मीदवारों का निष्पादन

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा

पिछले दस वर्षों के आंकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) के प्रवेश स्तर पर महिला उम्मीदवारों का प्रतिशत 2008–09 में लगभग 20% था जो वर्ष 2019–20 में बढ़कर 43% हो गया है।

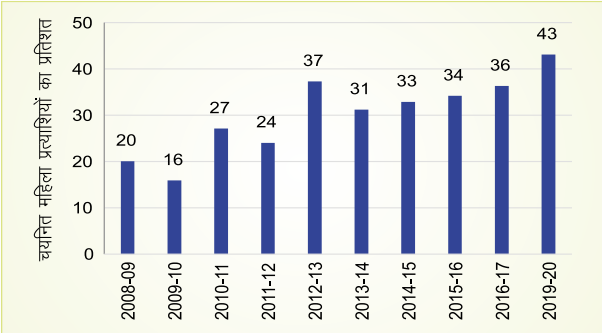

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षाओं (2008–09–2019–20) में महिला उम्मीदवारों का निष्पादन

एआरएस साक्षात्कार के लिए उपस्थित उम्मीदवारों का दृश्य

11

विविध

कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) वैज्ञानिकों के लिए कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) से संबंधित नियमों के अनुसार भा.कृ.अ.प. के विभिन्न संस्थानों में वैज्ञानिकों की पदोन्नति के मामलों पर विचार करने के लिए अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा विभिन्न समितियों के अध्यक्ष नियुक्त किए जाते हैं। तदनुसार अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा संस्थानों में चयन समितियों की अध्यक्षता के लिए अनेक नामांकन किए गए। इसके अलावा भा.कृ.अ.प. मुख्यालय देश के विभिन्न भागों में स्थित परिषद के संस्थानों में कार्यरत तकनीकी वर्ग के कार्मिकों की पदोन्नति मामलों के संदर्भ में अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. ने मूल्यांकन समितियों का गठन किया।

तकनीकी कार्मिकों की मूल्यांकन पदोन्नति

मंडल ने भा.कृ.अ.प. मुख्यालय सहित 63 संस्थानों में विभिन्न वर्गों के तकनीकी कार्मिकों के लिए मूल्यांकन समितियों के विशेषज्ञों को नामित किया। विवरण परिशिष्ट–V में दिया गया है।

वैज्ञानिकों की मूल्यांकन पदोन्नति

वैज्ञानिकों को अनुसंधान ग्रेड–पे ₹6,000 से ₹7,000 अनुसंधान ग्रेड–पे ₹7,000 से ₹8,000 तथा अनुसंधान ग्रेड–पे ₹8,000 से ₹9,000 में पदोन्नति हेतु 63 संस्थानों में विभागीय पदोन्नति समितियों (डीपीसी) के विशेषज्ञों के नामों को अंतिम रूप देकर अधिसूचित किया जिसका विवरण परिशिष्ट–VI में दिया गया है।

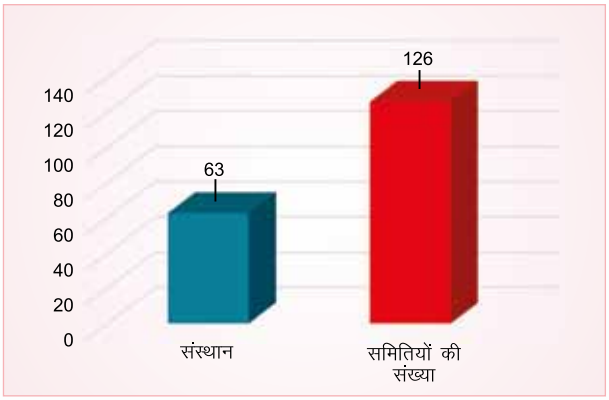

तकनीकी वर्ग के लिए गठित मूल्यांकन समितियों का विवरण

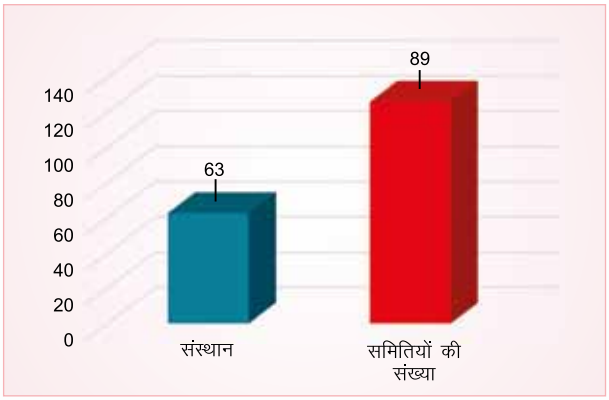

वैज्ञानिकों के लिए गठित मूल्यांकन समितियों का विवरण

12

सम्मान/पुरस्कार/मान्यता

प्रोफेसर (डॉ.) ए.के. मिश्रा, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. को प्राप्त सम्मान/पुरस्कार एवं मान्यता

1. कन्फैडरेशन ऑफ हॉर्टिकल्चर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएचएआई) की 2019 की फैलोशिप से सम्मानित किया गया। 31 मई, 2019 को जी.बी. पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड में आयोजित सीएचएआई सम्मेलन के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

2. दिनांक 29 मार्च, 2019 को महात्मा फूले कृषि विश्वविद्यालय, राहुरी, महाराष्ट्र के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर स्थापना दिवस व्याख्यान दिया।

3. दिनांक 7 जुलाई, 2019 को सीएसकेएचपी कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश में पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन स्नातकों की पासिंग आउट पर आयोजित ''शपथ ग्रहण समारोह'' के अवसर पर मुख्य अतिथि।

4. दिनांक 9 अगस्त, 2019 को राजस्थान पशुचिक्तिसा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर, राजस्थान के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत व्याख्यान दिया।

5. दिनांक 5 सितंबर, 2019 को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित शिक्षक दिवस व्याख्यान की अध्यक्षता।

6. दिनांक 1 अक्तूबर, 2019 को कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक में मुख्य अतिथि के रूप में स्थापना दिवस व्याख्यान दिया।

7. दिनांक 5 फरवरी, 2020 को डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला, महाराष्ट्र के 34वें दीक्षांत समारोह में दीक्षांत व्याख्यान दिया।

8. दिनांक 3 मार्च, 2020 को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के पूसा कृषि विज्ञान मेला में सम्मानित अतिथि।

मंडल के प्रकाशन

1. वार्षिक प्रतिवेदन 2018–19
(हिन्दी व अंग्रेजी)

परिशिष्ट I

2019-20 के दौरान कृ.वै.च.म. की प्राप्तियां एवं व्यय

प्राप्तियां		राशि (लाख में)
(क)	**प्राप्तियां**	
	आवेदन एवं परीक्षा शुल्क	204.53
	कुल	**204.53**
(ख)	**खर्च**	
	वेतन	568.62
	मजूदरी (संविदा कार्मिक)	149.04
	समयोपरि भत्ता (ओटीए)	0.0
	यात्रा व्यय (देश/विदेश में)	23.39
	कार्यालयी खर्च	151.45
परीक्षा एवं नियुक्ति/भर्ती पर व्यय		
(क)	यात्रा/मानदेय खर्च (विशेषज्ञ, सलाहकार एवं अभ्यर्थी)	98.60
(ख)	अन्य खर्च	168.11
	कुल गैर–योजना	**1159.21**
	सकल योग	**1159.21**

परिशिष्ट II

पिछले पांच वर्षों में बोर्ड के कार्यभार का तुलनात्मक विवरण

	कार्य का विवरण	2015–16	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20
क.	**परिक्षाओं द्वारा भर्ती**					
	आयोजित परिक्षाओं की संख्या	+04	@06	*5	6%	1++
	भरे गए पदों की सं.	130	458	495	963	181
	प्राप्त आवेदनों की सं.	52,423	1,16,690	1,49,560	1,25,069	46,353
	साक्षात्कार लिए गए उम्मीदवारों की संख्या	–	363	831	–	657
	भारत में परीक्षा आयोजित किए गए केन्द्रों की संख्या	23	27	47	34	31
ख.	**साक्षात्कार/सीधी भर्ती द्वारा भर्ती**					
	साक्षात्कार लिए गए पदों की संख्या	189	55	5	–	17
	प्राप्त आवेदनों की संख्या	2555	924	117	1366	392
	साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवारों की संख्या	1020	438	56	–	162
	साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	781	331	44	–	144
ग.	नेट उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों की संख्या	4148	3803	6987	11906	4271
घ.	मूल्यांकित वैज्ञानिकों की संख्या (सीएएस)	257	177	219	102	21
ड़.	पंचवर्षीय मूल्यांकन	–	–	–	–	–
च.	कृषि अनुसंधान सेवा में समावेशन	–	–	–	–	1

\+ सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी परीक्षा, नेट एवं एआरएस 2015 (प्रारम्भिक) परीक्षा, सहायक (डीआर) मुख्य परीक्षा एवं अपर श्रेणी लिपिक हेतु सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा 2015।

@. एआरएस 2015 मुख्य परीक्षा, नेट 2016 (I) परीक्षा, तकनीकी सहायक (टी–3) एवं तकनीशियन (टी–1) के लिए सामान्य लिखित परीक्षा तथा सहायक एवं उच्च श्रेणी लीपिक के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 2016।

* एआरएस 2016 एवं नेट 2017 प्रारंभिक परीक्षा, एआरएस मुख्य परीक्षा, आशुलिपिक ग्रेड–III परीक्षा–2017, अवर श्रेणी लिपिक परीक्षा–2016 तथा भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय में अनुभाग अधिकारी और निजी सचिव के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा 2017।

% एआरएस 2017 एवं नेट 2018 (I) प्रारंभिक परीक्षा, एआरएस 2017 मुख्य परीक्षा, टी–1 परीक्षा, अवर श्रेणी लिपिक के लिए कौशल परीक्षण, आशुलिपिकों के लिए कौशल परीक्षण, नेट 2018 (II)।

++ राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा–2019।

परिशिष्ट III

नेट 2019 में विषयवस्तुवार उम्मीदवारों का विवरण

कोड सं.	विषयवस्तु क्षेत्र	पंजीकृत अभ्यर्थी	उपस्थित अभ्यर्थी	उत्तीर्ण अभ्यर्थी (%)
1.	कृषि जैवप्रौद्योगिकी	4419	3013	144 (4.78)
2.	कृषि कीट विज्ञान	2253	1634	344 (21.05)
3.	कृषि सूक्ष्मजैविकी	2876	2039	574 (28.15)
4.	आर्थिक वनस्पति विज्ञान एवं पादप अनुवांशिक संसाधन	467	276	3 (1.09)
5.	अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन	2550	1853	58 (3.13)
6.	सूत्रकृमि विज्ञान	156	99	22 (22.22)
7.	पादप जैव रसायनिकी	724	472	0 (0.00)
8.	पादप रोग निदान	2019	1420	105 (7.39)
9.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान	1832	1369	28 (2.05)
10.	बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	570	401	133 (33.17)
11.	पुष्पोत्पादन एवं भूदृश्य	597	425	101 (23.76)
12.	फल विज्ञान	1581	1191	449 (37.70)
13.	मसाला, रोपण तथा औषधीय व सुगंधीय पादप	282	204	80 (39.22)
14.	सब्जी विज्ञान	1881	1402	235 (16.46)
15.	पशु जैवरसायनिकी	314	238	64 (26.89)
16.	पशु जैवप्रौद्योगिकी	456	305	51 (16.72)
17.	पशु अनुवांशिकी एवं प्रजनन	173	127	28 (22.05)
18.	पशु पोषण	241	177	36 (20.34)
19.	पशु शरीर क्रिया विज्ञान	308	226	55 (24.34)
20.	पशु पुनरूत्पादन एवं मादा रोग विज्ञान	279	189	53 (28.04)
21.	डेरी रसायनिकी	51	40	5 (12.50)
22.	डेरी सूक्ष्मजैविकी	75	56	13 (23.21)
23.	डेरी प्रौद्योगिकी	285	198	22 (11.11)
24.	पशुधन उत्पादन प्रौद्योगिकी	152	122	5 (4.10)
25.	पशुधन उत्पादन प्रबंधन	514	396	157(39.65)
26.	कुक्कुट पालन विज्ञान	68	55	29 (52.73)
27.	पशु चिकित्सा औषधि	336	245	76 (31.02)
28.	पशु चिकित्सा सूक्ष्मजैविकी	203	143	39 (27.27)
29.	पशु चिकित्सा परजीवी विज्ञान	93	71	29 (40.85)
30.	पशु चिकित्सा रोग विज्ञान	200	145	17 (11.72)
31.	पशु चिकित्सा औषधि विज्ञान	154	110	15 (13.64)

कोड सं.	विषयवस्तु क्षेत्र	पंजीकृत अभ्यर्थी	उपस्थित अभ्यर्थी	उत्तीर्ण अभ्यर्थी (%)
32.	पशु चिकित्सा जनस्वास्थ	139	107	14 (13.08)
33.	पशु शल्य चिकित्सा	270	211	65 (30.81)
34.	जलजीव पालन	638	457	2 (0.44)
35.	मात्स्यिकी संसाधन प्रबंधन	309	214	39 (18.22)
36.	मत्स्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी	224	178	67 (37.64)
37.	मत्स्य पोषण	47	32	3 (9.38)
38.	मत्स्य स्वास्थ्य	80	60	4 (6.67)
39.	मत्स्य अनुवांशिकी एवं प्रजनन	42	32	16 (50.00)
40.	कृषि रसायन	60	42	12 (28.57)
41.	कृषि मौसम विज्ञान	320	252	61 (24.21)
42.	कृषि वानिकी	791	575	52 (9.04)
43.	सस्य विज्ञान	3715	2868	242 (8.44)
44.	पर्यावरणीय विज्ञान	1405	959	0 (0.00)
45.	मृदा विज्ञान	2326	1698	239 (14.08)
46.	कृषि व्यापार प्रबंधन	586	395	0 (0.00)
47.	कृषि आर्थिकी	1298	910	23 (2.53)
48.	कृषि विस्तार	1843	1306	29 (2.22)
49.	कृषि सांख्यिकी एवं सूचना विज्ञान	664	507	32 (6.31)
50.	गृह–विज्ञान	497	331	49 (14.80)
51.	फार्म मशीनरी एवं पॉवर	582	469	40 (8.53)
52.	कम्प्यूटर अनुप्रयोग और सूचना प्रौद्योगिकी	864	540	14 (2.59)
53.	भूमि एवं जल प्रबंधन अभियांत्रिकी	726	551	219 (39.75)
54.	जैव सूचना विज्ञान (Bioinformatics)	373	243	4 (1.65)
55.	खाद्य प्रौद्योगिकी	1813	1355	16 (1.18)
56.	कृषि संरचनाएं एवं पर्यावरणीय प्रबंधन	567	434	29 (6.68)
57.	पशु शरीर रचना विज्ञान	65	50	30 (60.00)
	कुल	**46353**	**33417**	**4271 (12.78)**

सीधी भर्ती 2019-20

क्र. सं.	विज्ञापन सं. एवं मद संख्या	पद का नाम	चयनित	आवेदित उम्मीदवार	बुलाए गए उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	चयनित	परिषद को सिफारिश भेजने की तिथि
उपमहानिदेशक								
1.	01/2019 (06)	उप–महानिदेशक (सीएस)	17.01.2020	19	10	10	चयनित	17.01.2020
2.	01/2019 (07)	उप–महानिदेशक (एएस)	24.01.2020	35	10	09	चयनित	24.01.2020
3.	01/2019 (08)	उप–महानिदेशक (एनआरएम)	27.01.2020	24	10	09	चयनित	27.01.2020
राष्ट्रीय संस्थान के निदेशक								
4.	01/2019 (01)	निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	15.01.2020	35	11	10	चयनित	15.01.2020
5.	01/2019 (02)	निदेशक, राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल	25.01.2020	32	10	10	चयनित	25.01.2020
6.	01/2019 (05)	निदेशक, राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, बारामती	28.01.2020	26	10	08	चयनित	28.01.2020
7.	01/2019 (03)	निदेशक, राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, रायपुर	29.01.2020	18	10	09	चयनित	29.01.2020
8.	01/2019 (04)	निदेशक, भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची	30.01.2020	11	06	06	चयनित	30.01.2020
सहायक महानिदेशक								
9.	01/2019 (15)	सहायक महानिदेशक (पीआईएम) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, मुख्यालय, नई दल्ली	17.02.2020	18	06	04	चयनित	17.02.2020
10.	01/2019 (18)	सहायक महानिदेशक (एफई) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, मुख्यालय, नई दिल्ली	19.02.2020	17	11	10	चयनित	19.02.2020
11.	01/2019 (13)	सहायक महानिदेशक, (एएन एवं पी) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, मुख्यालय, नई दिल्ली	21.02.2020	25	11	09	चयनित	21.02.2020
12.	01/2019 (17)	सहायक महानिदेशक (एपी एवं बी) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, मुख्यालय, नई दिल्ली	24.02.2020	26	10	07	चयनित	24.02.2020

क्र. सं.	विज्ञापन सं. एवं मद संख्या	पद का नाम	चयनित	आवेदित उम्मीदवार	बुलाए गए उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	चयनित	परिषद को सिफारिश भेजने की तिथि
13.	01/2019 (14)	सहायक महानिदेशक, (आईएफ) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, मुख्यालय, नई दिल्ली	26.02.2020	13	08	06	चयनित	26.02.2020
निदेशक								
14.	01/2019 (29)	निदेशक, केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल	18.02.2020	14	09	09	चयनित	18.02.2020
15.	01/2019 (23)	निदेशक, रेपसीड सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर	20.02.2020	26	10	09	चयनित	21.02.2020
16.	01/2019 (19)	निदेशक, कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर	27.02.2020	38	10	09	चयनित	27.02.2020
17.	01/2019 (20)	निदेशक, केन्द्रीय पटसन एवं सम्बद्ध रेशा प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	28.02.2020	15	10	10	चयनित	28.02.2020

परिशिष्ट V

संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार तकनीकी पदों के लिए विभागीय पदोन्नती समितियों (2019-20) का गठन

क्रम संख्या	संस्थान का नाम	समितियों की संख्या
I.	**कृषि अभियांत्रिकी**	
1.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल	01
2.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय फसल अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान, लुधियाना	04
3.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय प्राकृतिक फाइबर अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान, कोलकाता	01
II.	**पशु विज्ञान**	
4.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली	02
5.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर	03
6.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली	04
7.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पशु आनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो, करनाल	03
8.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पशुपोषण एवं शरीरक्रिया विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु	02
9.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पशु रोग उच्च सुरक्षा संस्थान, भोपाल	01
10.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मिथुन केन्द्र संस्थान, मेडजीफेमा	04
III.	**फसल विज्ञान**	
11.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
12.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कपास तकनीकी अनुसंधान संस्थान, नागपुर	02
13.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय पटसन एवं सम्बद्ध रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	02
14.	भा.कृ.अनु.प.–मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़	02
15.	भा.कृ.अनु.प.–तोरिया एवं सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर	02
16.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	03
17.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
18.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर	01
19.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	03
20.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ	01
21.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर	04
22.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	03
23.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल	01
24.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि कीट अनुसंधान ब्यूरो, बेंगलुरु	01
25.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो, मऊ	01
26.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक अनुसंधान ब्यूरो, नई दिल्ली	01
27.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली	04
28.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पादप जैव–प्रौद्योगिकी अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली	01
29.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक	02
30.	भा.कृ.अनु.प.–विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अलमोड़ा	02

क्रम संख्या	संस्थान का नाम	समितियों की संख्या
IV.	**मात्स्यिकी**	
31.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय अंतःस्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	01
32.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय खारा जल जीवपालन संस्थान, चेन्नई	02
33.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोचीन	01
34.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी पालन अनुसंधान संस्थान, कोची	01
35.	भा.कृ.अनु.प.–शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान निदेशालय, भीमताल, नैनीताल	02
36.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ	02
V.	**बागवानी विज्ञान**	
37.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय नींबू वर्गीय फल अनुसंधान संस्थान, नागपुर	02
38.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर	02
39.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, श्रीनगर	01
40.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्टब्लैयर	01
41.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय रोपण फसलें अनुसंधान संस्थान, कासरगोड	04
42.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला	02
43.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कन्दीय फसलें अनुसंधान संस्थान, त्रिवेन्द्रम	01
44.	भा.कृ.अनु.प.–औषधीय एवं सुगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आनन्द	01
45.	भा.कृ.अनु.प.–मशरूम अनुसंधान निदेशालय, सोलन	01
46.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	01
47.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय तेलताड़ अनुसंधान संस्थान, पीडावेगी, पश्चिम गोदावरी	02
48.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मसाला अनुसंधान संस्थान, कालीकट	08
49.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी	01
VI.	**प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन**	
50.	भा.कृ.अनु.प. पूर्वी क्षेत्र के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर, पटना	01
51.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर	01
52.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा	02
53.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
54.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल	01
55.	भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार विज्ञान अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर	01
56.	भा.कृ.अनु.प.–पूर्वोत्तर पहाड़ी क्षेत्रों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर, बारापानी	03
57.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून	01
58.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल	07
59.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर	02
VII.	**कृषि विस्तार**	
61.	भा.कृ.अनु.प.–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जोन–II जोधपुर, (राजस्थान)	01
61.	भा.कृ.अनु.प.–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जोन–V कोलकाता, (पश्चिम बंगाल)	01
62.	भा.कृ.अनु.प.–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जोन–IX जबलपुर, (मध्य प्रदेश)	01
63.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर, मुख्यालय, नई दिल्ली	04
कुल		**126**

परिशिष्ट VI

संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों के कैरियर एडवांसमेंट के लिए विभागीय पदोन्नती समितियों (2019-20) का गठन

क्रम संख्या	संस्थान का नाम	समितियों की संख्या
I.	**कृषि शिक्षा**	
1.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद	01
2.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	01
II.	**कृषि अभियांत्रिकी**	
3.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कटाई उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना	01
III.	**पशु विज्ञान**	
4.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार	01
5.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय गोपशु अनुसंधान संस्थान, मेरठ	01
6.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदुम	01
7.	भा.कृ.अनु.प.–खुरपका एवं मुँहपका रोग निदेशालय, मुक्तेश्वर	01
8.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली	02
9.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान, भोपाल	01
10.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पशुरोग जानपादक एवं सूचना विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू	02
11.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय याक अनुसंधान केन्द्र, वेस्ट केमंग, मेडजीफेमा	01
IV.	**फसल विज्ञान**	
12.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
13.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	01
14.	भा.कृ.अनु.प.–मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़	02
15.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	01
16.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी	01
17.	भा.कृ.अनु.प.– भारतीय जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची,	01
18.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना	01
19.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
20.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर	01
21.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
22.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ	01
23.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर	01
24.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	01
25.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल	02
26.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि कीट अनुसंधान ब्यूरो, बेंगलुरू	02
27.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो, मऊ	01
28.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, रायपुर	02
29.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली	01

क्रम संख्या	संस्थान का नाम	समितियों की संख्या
30.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पादप–प्रौद्योगिकी अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली	01
31	भा.कृ.अनु.प.–विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अलमोड़ा	01
V.	**मात्स्यिकी**	
32.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय अंतःस्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	02
33.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय खारा जल जीवपालन संस्थान, चैन्नई	01
34.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोचीन	01
35.	भा.कृ.अनु.प.– केन्द्रीय शीतजल मात्स्यिकी संस्थान, भुवनेश्वर	01
36.	भा.कृ.अनु.प.– केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी पालन अनुसंधान संस्थान, कोची	01
37.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ	01
VI.	**बागवानी विज्ञान**	
38.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर	02
39.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर	01
40.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ	01
41.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, श्रीनगर	01
42.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय रोपण फसलें अनुसंधान संस्थान, कारसगोड	01
43.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कंदीय फसलें अनुसंधान संस्थान, त्रिवेन्द्रम	03
44.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय काजू अनुसंधान निदेशालय, पुत्तूर	06
45.	भा.कृ.अनु.प.–मशरूम अनुसंधान निदेशालय, सोलन	01
46.	भा.कृ.अनु.प.–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पूणे	01
47.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी	04
48.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र, पूणे	01
49.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र, मुजफ्फरपुर	01
VII.	**प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन**	
50.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय खेती व्यवस्था अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम	01
51.	भा.कृ.अनु.प. पूर्वी क्षेत्र के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर, पटना	05
52.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी	01
53.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर	01
54.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
55.	भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर	01
56.	भा.कृ.अनु.प.–पूर्वोत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर, बारापानी	01
57.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल	05
58.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून	01
59.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर	01
VIII.	**कृषि विस्तार**	
60.	भा.कृ.अनु.प.–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संसथान, जोन–I लुधियाना (पंजाब)	01
61.	भा.कृ.अनु.प.–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जोन–IX जबलपुर, (मध्य प्रदेश)	01
62.	भा.कृ.अनु.प.–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जोन–X हैदराबाद, (आन्ध्र प्रदेश)	01
63.	भा.कृ.अनु.प.–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जोन–XI बैंगलूरू, (कर्नाटक)	01
कुल		**89**

वर्ष 2019-20 के दौरान मंडल में स्वीकृत पदों की संख्या

क्रम संख्या	पद	स्वीकृति	31.3.2020 की स्थिति के अनुसार	रिक्त
1.	अध्यक्ष	1	1	–
2.	सदस्य	3	3	–
3.	सचिव (संयुक्त सचिव स्तर)	1	1	–
4.	वरिष्ठ विशेषज्ञ (आईटी) प्रधान वैज्ञानिक स्तर	1	–	1
5.	परीक्षा नियंत्रक (निदेशक स्तर)	1	1*	–
6.	उपसचिव/उपनिदेशक वित्त	5	2*	3
7.	अवर सचिव	5	1*	4
8.	सहायक निदेशक (राजभाषा)	1	–	1
9.	वित्त एवं लेखा अधिकारी	2	1*	1
10.	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी 6) आईटी	3	1**	3
11.	अनुभाग अधिकारी	11	5*	6
12.	प्रधान निजी सचिव	4	2*	2
13.	निजी सचिव	6	1*	5
14.	सहायक	30	11*	19
15.	निजी सहायक	4	1*	3
16.	आशुलिपिक	4	0	4
17.	हिन्दी अनुवादक	2	0	2
	कुल	**84**	**31**	**54**
	अतिरिक्त			
18.	मुख्य तकनीकी अधिकारी–टी–9 (शस्य विज्ञान)	–	1	अतिरिक्त
19.	उच्च श्रेणी लिपिक	–	4	अतिरिक्त
20.	वाहन चालक	–	1	अतिरिक्त
21.	चपरासी	–	2	अतिरिक्त
	कुल	**84**	**39**	**54**

*प्रतिनियुक्ति पर
**तकनीकी अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर

परिशिष्ट VIII

कार्मिक (नियुक्तियां, पदोन्नतियां, स्थानांतरण, सेवानिवृत्तियां आदि)

नियुक्तियां/पदभार ग्रहण

डॉ. प्रांजिब के. चक्रबर्ती (एआरएस) 16 अप्रैल, 2019 को कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में सदस्य (पादप विज्ञान) के रूप में कार्यग्रहण किया। कृ.वै.च.म. में कार्यग्रहण करने से पहले उन्होंने केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान (सीआईसीआर) नागपुर में वैज्ञानिक (पादप रोगनिदान), प्रधान वैज्ञानिक (पादप जैवप्रौद्योगिकी) और अध्यक्ष (फसल सुधार) के रूप में विभिन्न पदों पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की सेवा की।

उन्होंने अक्टूबर, 2013 से नई दिल्ली के कृषि भवन में सहायक महानिदेशक (पादप संरक्षण एवं जैवसुरक्षा) के रूप में अप्रैल, 2019 तक 5.6 वर्ष भा.कृ.अनु.प. की सेवा की। इन वर्षों में इसके अतिरिक्त उन्होंने एक वर्ष तक सहायक महानिदेशक (वाणिज्यिक फसल), दो वर्षों तक सहायक महानिदेशक (तिलहन एवं दलहन) एवं परियोजना समन्वयक (मधुमक्खियां एवं परागणक) परियोजना समन्वयक (सूत्रकृमि) का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला।

अपने पूरे कैरियर में प्रथम श्रेणी के अकादमिक, डॉ. चक्रवर्ती ने फ्लोरिडा विश्वविद्यालय, गेन्सविले संयुक्त राज्य अमेरिका के कोलंबिया में मिसौरी–कोलंबिया विश्वविद्यालय में पांच वर्षों के लिए पादप–रोगजनक अंतक्रिया और रोग प्रतिरोध के सांकेतिक पारगमन के आणविक आधार पर अग्रणी अनुसंधान किया। वह फ्लोरीडा विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका में सहायक प्राध्यापक भी रहे। इसके अतिरिक्त उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, युनाइटेड किंगडम, कनाडा, ब्राजील, इक्वाडोर, स्विटजरलैंड, नीदरलैंड, चीन, मलेशिया, सिंगापुर, नेपाल, भूटान, इथिओपिया, बांग्लादेश, आदि 25 देशों का दौरा किया और वैज्ञानिक के रूप में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारतीय प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व भी किया।

उनकी प्रमुख अनुसंधान उपलब्धियों में कपास के बीज जनित रोगजनक–जैंथोमोनास मालवासेरम का पता लगाने के लिए रेडी–टू–यूज पीसीआर डिटेक्शन किट पर पेटेंट शामिल था। उन्होंने कपास के सभी प्रमुख रोगजनकों का पता लगाने के लिए आणविक नैदानिक उपकरण विकसित किए हैं।

उन्होंने कपास परिवर्तन के लिए छह जीन कंस्ट्रक्ट्स विकसित किए जिनमें 5 आरएनएआई (RNAi) और एक चिटिनासे (chi1) जीन कंस्ट्रक्ट्स शामिल हैं। उनका उपयोग करते हुए डॉ. चक्रवर्ती ने ट्रांसजेनिक द्विगुणित कपास का विकास किया जिससे कपास के पर्णीय कवक रोगाणु विलम्बित होते हैं। वह कपास के अनूठे जीनोटाइप के विकास और पंजीकरण से जुड़े हुए हैं जिसमें तीन कॉम्पैक्ट और जस्सी–सहिष्णु अन्तर्विभाजक हिरसुटम कपास शामिल हैं, एक अन्तर्विभाजक भूरा–लिंटेड हिरसुटम कपास व्युत्पन्न एमएसएच–53, एक कॉम्पैक्ट और जस्सीड–टॉलरेंट आर्बोरियम जीनोटाइप और बीबीआर–1 जीन युक्त एक अनूठा और अभूतपूर्व बड़ा बोल हिरसुटम जीनोटाइप (सीएनएच–बीबीसी)।

वह कई अकादमिक और पेशेवर पुरस्कारों और फैलोशिप के प्राप्तकर्ता हैं और वह राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, महाराष्ट्र विज्ञान अकादमी सहित कई प्रतिष्ठित व्यावसायिक सोइसाइटियों के फेलो हैं। वे लगातार दो कार्यकाल के लिए इंडियन सोसायटी ऑफ माइकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी के अध्यक्ष रहे हैं। वह वर्तमान में इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसायटी, नई दिल्ली के अध्यक्ष हैं। उन्होंने जीनबैंक में 73 जीन सीक्वेंस प्रकाशित किए हैं।

वह 5 पेशेवर सोसाइटियों के आजीवन सदस्य भी हैं और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 75 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय जरनलों में शोध पत्र प्रकाशित किए हैं जिसमें प्लांट सेल, प्लांट जनरल्स अमेरिकन फाइटोपेथोलॉजी, मॉलीकुलर प्लांट–माइक्रो इंट्रेक्शन, यूरो जरनल ऑफ प्लांट पेथोलॉजी, पीएलओएस–1, सीएएन जे ऑफ प्लांट पेथोलॉजी, जरनल ऑफ वैक्टीरियोलॉजी, मोलिकुलर बायोलॉजी रिर्पाटर, जरनल ऑफ बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, वायरस डिजीज आदि शामिल है। उन्होंने एमएससी और पीएचडी के 12 छात्रों का मार्गदर्शन किया है।

भा.कृ.अनु.प. में सहायक महानिदेशक के रूप में, वह भा.कृ.अनु.प. में प्लांट प्रोटेक्शन बायोसैफ्टी से संबंधित गतिविधियों के समन्वय के लिए जिम्मेदार थे। इसके अलावा

उन्होने केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति (सीआईबी और आरसी) के सदस्य के रूप में काम किया; अध्यक्ष, एफएडी–3 भारतीय मानक ब्यूरो; अध्यक्ष, राष्ट्रीय स्तर पर कीटनाशक अवशेषों की निगरानी पर तकनीकी समिति, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; अध्यक्ष, एमआरएल के सामंजस्य के लिए फसल समूहीकरण पर उप समिति; बायोसाइडस, बायोस्टीमुलेंट्स के पंजीकरण के लिए विकासशील दिशानिर्देशों की उप–समिति के अध्यक्ष; नोडल अधिकारी, कीटनाशकों का अल्प उपयोग कार्यक्रम, कई सांविधिक और भा.कृ.अनु.प. निकायों के सदस्य; सदस्य, आरसीजीएम; डीबीटी; डीआरडीओ की टास्क फोर्स के सदस्य; राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की कार्यकारी समिति के सदस्य एवं सदस्य, कार्यकारी समिति, बी.सी.के.वी.वी., कल्याणी, पश्चिम बंगाल।

डॉ. के.के. सिंह ने अपनी स्नातक (कृषि अभियांत्रिकी) की उपाधि इलाहबाद कृषि संस्थान से वर्ष 1981 में, प्रौद्योगिकी (प्रसंस्करण एवं कृषि संरचनाएं) की स्नातकोत्तर उपाधि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना से 1985 में और पीएच. डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर से 1997 में प्राप्त की। उन्होंने अपने कैरियर की शुरुआत राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय (आरएयू), पूसा में सहायक प्रोफेसर के रूप में अगस्त, 1984 में की और मई, 1985 तक जारी रखा, इसके बाद मई, 1986 में केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल में वैज्ञानिक एस–1 (एआरएस–1985) के रूप में नियुक्त हुए और केंद्रीय कटाई उपरांत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना में खाद्यान्न एवं तिलहन प्रसंस्करण प्रभाग के अध्यक्ष नियुक्त होने से पहले अप्रैल, 2007 तक विभिन्न पदों पर कार्य किया।

डॉ. सिंह भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय, नई दिल्ली में सहायक महानिदेशक (प्रसंस्करण अभियांत्रिकी) के रूप में (2010–2014) एवं भा.कृ.अनु.प.–केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल के निदेशक के पद पर (2014–2019) तक क्रमशः कार्यरत थे। अंत में उन्होंने दिनांक 16 अप्रैल, 2019 को कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में सदस्य (एनआरएम) के रूप में कार्यग्रहण किया।

डॉ सिंह ने यूनिट ऑप्रेसन्स ऑफ एग्रीकल्चरल प्रोसेसिंग नामक एक लोकप्रिय पाठ्य पुस्तक लिखी। उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित किया गया है, जैसे कि रफी अहमद किदवई पुरस्कार, जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस) की फैलोशिप, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी मान्यता पुरस्कार और भारतीय कृषि इंजीनियर्स की फैलोशिप एवं इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स की फैलोशिप। उन्होंने अमेरिका के नॉर्थ डकोटा स्टेट यूनिवर्सिटी में 2000–01 में पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च कार्य किया। उन्होंने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी यूएसए द्वारा आयोजित 21वीं सदी के लिए नेतृत्व पर प्रबंधन कार्यक्रम पूरा किया। उन्होंने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए कई बार संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली, जर्मनी, फिलीपींस, थाईलैंड, चीन, वियतनाम और कम्बोडिया का दौरा किया और मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन और संयुक्त राज्य अमेरिका की एजेंसियों की बैठकों में भाग लिया, जैसे खाद्य और कृषि संगठन, सेन्टर फॉर सस्टेनेबल कृषि मशीनीकरण (सीएसएएम), आर्थिक और सामाजिक आयोग एशिया एवं पेसिफिक (इएससीएपी) इत्यादि।

उन्होंने कृषि खाद्य प्रसंस्करण उपकरण अनुभागीय समिति (एफएडी–20) और मशीनरी और उपकरण अनुभागीय समिति (एफएडी–11) के बीआईएस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने कई प्रतिष्ठित समितियों और बोर्डों में सदस्य के रूप में कार्य किया, जैसे कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के जनरल बॉडी एवं वार्षिक जनरल बैठक (एजीएम) (एपीईडीए), पीएयू, लुधियाना के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट, आरएसकेवीवी, ग्वालियर, एनआईएफटीईएम, कुंडली, आईएनएसटी, मोहाली आदि।

पदोन्नति/स्थानांतरण

- श्री रवि भूषण तिवारी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक से दिनांक 11 नवम्बर, 2019 को तकनीकी अधिकारी के पद पर पदोन्नत हुए।
- श्रीमती सुषमा सेठी, सहायक दिनांक 15 अक्टूबर, 2019 को कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नत होकर भा.कृ.अ.प. मुख्यालय में स्थानांतरित हुईं।
- श्री एस.एस. डोगरा, उच्च श्रेणी लिपिक से दिनांक 26 दिसम्बर, 2019 को सहायक के पद पर पदोन्नत हुए।
- श्री आर.पी. यादव, सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी दिनांक 6 मार्च, 2019 को वित्त एवं लेखा अधिकारी के पद पर पदोन्नत हुए।

- श्री राकेश शर्मा, उच्च श्रेणी लिपिक से दिनांक 17 सितम्बर, 2019 को सहायक के पद पर पदोन्नत हुए।

सेवानिवृत्ति

- श्री विनोद कुमार, सहायक दिनांक 31 मार्च, 2020 को सेवानिवृत्त हुए।

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार मंडल में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची

क्रम संख्या	अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नाम	पदनाम
1.	प्रो. (डॉ) ए. के. मिश्रा	अध्यक्ष
2.	प्रो. (डॉ) ए. के. श्रीवास्तव	सदस्य (पशु विज्ञान)
3.	डॉ. पी. के. चक्रबर्ती	सदस्य (पादप विज्ञान)
4.	डॉ. के.के. सिंह	सदस्य (एनआरएम)
5.	श्री विवेक अग्रवाल	सचिव
6.	श्री जे. रवि	निदेशक
7.	श्री राजेन्द्र कुमार	उपसचिव (भर्ती एवं स्थापना)
8.	श्री वेद प्रकाश	परीक्षा नियंत्रक
9.	डॉ. सुरेश पाल	मुख्य तकनीकी अधिकारी
10.	श्री अजय गौतम	अवर सचिव
11.	श्री मुकेश कुमार	प्रधान निजी सचिव
12.	श्रीमती सीमा बम्मी	प्रधान निजी सचिव
13.	श्री आर. पी. यादव	वित्त एवं लेखा अधिकारी
14.	श्री लाल सिंह रावत	अनुभाग अधिकारी
15.	श्री अनुराग अरोड़ा	अनुभाग अधिकारी
16.	श्रीमती नीरू खन्ना	निजी सचिव
17.	श्री विकास जैन	अनुभाग अधिकारी
18.	श्री आशीष वर्मा	अनुभाग अधिकारी
19.	श्री उपेन्द्र मेहता	अनुभाग अधिकारी
20.	श्रीमती ऊषा नायर	निजी सहायक
21.	श्री रवि भूषण तिवारी	तकनीकी अधिकारी
22.	श्री सतीश पाल सिंह	सहायक
23.	श्री विनोद कुमार	सहायक
24.	श्री रूआल मुअन थंग थोम्ते	सहायक
25.	श्री सुख पाल सिंह	सहायक
26.	श्री प्रदीप डागर	सहायक
27.	श्री विक्रम गोयत	सहायक
28.	श्री दीपेश अग्रवाल	सहायक
29.	श्री ललित कुमार पाल	सहायक

परिशिष्ट IX

क्रम संख्या	अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नाम	पदनाम
30.	श्री हिमांशु कुमार गौतम	सहायक
31.	श्री एस. एस. डोगरा	सहायक
32.	श्री राकेश कुमार शर्मा	सहायक
33.	श्री महादेव पाल	उच्च श्रेणी लिपिक
34.	श्री रोशन सिंह रावत	उच्च श्रेणी लिपिक
35.	श्री रविन्द्र सिंह रावत	उच्च श्रेणी लिपिक
36.	श्री धीरज सिंह	उच्च श्रेणी लिपिक
37.	श्री सुरिन्द्र कुमार	वाहन चालक
38.	श्री शिव प्रसाद	कुशल सहायक कर्मचारी
39.	श्री सुरेश कुमार	कुशल सहायक कर्मचारी

मानवीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री द्वारा
कृ.वै.च.मं. के नए भवन के शिलान्यास समारोह के दौरान संबोधन

सत्यमेव जयते

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
कृषि अनुसंधान भवन-I, पूसा, नई दिल्ली-110012

प्रतिभा की खोज
In search of talent
कृ.वै.च.मं.
कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
AGRICULTURAL SCIENTISTS RECRUITMENT BOARD